हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार 4 जनवरी 2026

तापमान
अधिकतम 16 .5 डिग्री
न्यूनतम 3 .5 डिग्री

12 ठंड और कोहरे से कांपा जिला तापमान पहुंचा...

11 मकर संक्रांति पर परिणय-सूत्र में बंधेंगे 21 जोड़े...

खबर संक्षेप

मारपीट मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना सदर पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल में उपचाराधीन घायल के बयान पर गत वर्ष 29 दिसंबर को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित ने मारपीट करने और धमकी देने के आरोप लगाए थे। जांच के बाद पुलिस ने दिल्ली के ढांसा निवासी निखिल को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया। उसे तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

दहेज उत्पीड़न मामले का आरोपी काबू

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज की मांग पर विवाहिता से मारपीट करने और धमकी देकर घर से निकालने के आरोप में दर्ज मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वर्ष 2024 में दर्ज विवाहिता की शिकायत के आधार पर दोनों पक्षों के बीच सुलहनामा कराने के प्रयास किए थे। बार-बार काउंसलिंग कराने के बाद भी समझौता नहीं हुआ। पुलिस ने बीते वर्ष 21 जुलाई को ससुराल पक्ष के लोगों पर केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने राजस्थान के पीवरा निवासी अजय कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

कोर्ट से घोषित पीओ प्रोडक्शन वारंट पर

धारूहेड़ा। पुलिस ने कोर्ट से घोषित एक पीओ को प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। कोर्ट में चल रहे मामले में उपस्थित नहीं होने पर यूपी के देवराभूरा निवासी ऋषिपाल को एक मामले में पीओ घोषित किया गया था। एक अन्य मामले में भी कोर्ट ने उसे पीओ घोषित किया था। आरोपी को पहले गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके बाद कोर्ट के आदेश पर गत 27 दिसंबर को दर्ज किए गए मामले में उसे प्रोडक्शन वारंट पर ले लिया। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

अवैध शराब बेचने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। कानोड गेट चौकी पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेचने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान मोहल्ला इंद्रा कॉलोनी निवासी विशु उर्फ बुगल के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 49 पव्वे देशी शराब बरामद की है। गत 2 जनवरी को पुलिस को सूचना मिली कि विशु उर्फ बुगल निवासी मोहल्ला इंद्रा कॉलोनी रेलवे लाईन गुमटी के पास अवैध रूप से शराब बेचने का काम करता है। पुलिस ने मौके से आरोपी को अवैध शराब सहित काबू कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शहर थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

शहर के अन्य 6 पार्कों के जीर्णोद्धार पर 1.33 करोड़ रुपये होंगे खर्च, फुटपाथ, बाउंड्री, बेंच व झूले लगाने का होगा कार्य

राव तुलाराम पार्क की 84 लाख से बदल रही सूरत

भव्य गेट ने बढ़ाया सौन्दर्य, टहलने के लिए बना नया पैदल पथ

रेवाड़ी। राव तुलाराम पार्क का बनाया गया भव्य द्वार तथा पार्क में टूटी पड़ी ओपन जिम की मशीनें। फोटो : हरिभूमि

हेमंत शर्मा ▶▶| रेवाड़ी

शहर के पार्कों के सुधार व सौन्दर्यकरण के लिए नगर परिषद की ओर से नवीनीकरण का काम किया जा रहा है। पार्कों में फुटपाथ, हॉल, गेट, शौचालय, बेंच, झूले, हरियाली और पानी की व्यवस्था सुधारी जा रही है, साथ ही ग्रीन हरियाणा मिशन के तहत पार्कों को हरा-भरा और सुरक्षित बनाने पर जोर दिया जा रहा है ताकि नागरिकों को सुबह-शाम टहलने और आराम करने के लिए स्वच्छ और सुंदर जगह मिल सकें। लंबे समय से उपेक्षा के शिकार शहर के राव तुलाराम पार्क में 84.44 लाख रुपए की लागत से हॉल, लाइब्रेरी, गेट, फुटपाथ व शौचालय के पुनर्निर्माण का कार्य चल रहा है।

■ लोगों को सुबह शाम टहलने की मिलेगी सुविधा

रेवाड़ी। पार्क में बनाया गया टीनशेड हाल तथा राव तुलाराम पार्क में बनाया गया पैदल पथ। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। नेहरु पार्क में लंबे समय से सीवर ओवरफ्लो के कारण जमा पानी तथा सेक्टर-1 के पार्क की दयनीय हालत। फोटो : हरिभूमि

छह पार्कों पर 1.33 करोड़ रुपये होंगे खर्च

शहर के छह पार्कों के सुधार के लिए 1.33 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे जाएंगे। इसके लिए टेंडर कर दिए गए है। इनमें सेक्टरों व मुख्य पार्क शामिल है। सेक्टर-18 के पार्क में दीवार, वायर फेंसिंग और फुटपाथ के कार्य पर 18.5 लाख रुपये खर्च होंगे। फेंसिंग और परिधि दीवार बनने से पशुओं का प्रवेश रुकेगा और पार्क संरक्षित रहेंगे। सेक्टर-18 के ही ग्रुप हाउसिंग नंबर-3 के पास स्थित पार्क पर 2.80 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। सेक्टर-19 के पार्कों में सुधार के कार्य किए जाएंगे। इनमें दीवार, जाली और फुटपाथ निर्माण के लिए 21.96 लाख रुपये खर्च होंगे। रेजांगला पार्क के सुधार के लिए अलग से 13.6 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं। इस पार्क में रोजाना बड़ी संख्या में लोग टहलने के लिए आते हैं। सेक्टर-1 स्थित बूस्टिंग स्टेशन पार्क के जीर्णोद्धार के लिए भी 1.79 लाख रुपये की राशि मंजूर हो चुकी है। वर्तमान में पार्कों की दीवारें टूटी हुई हैं, कहीं फेंसिंग गायब, झूले और कई जगह पैदलपथ जर्जर हालत में हैं। अब पार्कों के मुख्य प्रवेश द्वार का नवीनीकरण, चारदिवारी निर्माण, हरियाली बढ़ाने के लिए पौधरोपण, बच्चों के लिए नए झूले, आधुनिक बैंच लगाने, पार्किंग व्यवस्था व नई एलईडी लाइटों की सुविधाओं को पूरा किया जाएगा।

सेक्टरों के पार्कों में अव्यवस्थाओं की भरमार

सेक्टर-18 व 19 के पार्कों में अव्यवस्थाओं की भरमार है। पार्कों में कुछ भी देखने लायक नहीं है। फूलों के पौधों का अभाव है। जगह-जगह घास नष्ट हो चुकी है तथा खरपतवार ऊगी हुई है। ओपन जिम व बच्चों के झूले टूट चुके है। शौचालय में सफाई, पानी व बिजली की व्यवस्था नहीं है। पार्कों में सफाईकर्मियों व मालियों की भी कमी खल रही है। वहीं सेक्टर-1 के होलिका पार्क सहित अन्य पार्कों की लंबे समय से दशा बिगड़ी हुई है।

नेहरू पार्क की भी सुधरेगी दशा

नगर परिषद ने सेक्टर-1 के एंट्रेस पर स्थित जवाहर लाल नेहरू पार्क की मरम्मत व सौन्दर्यकरण के लिए भी टेंडर कर दिए है। इस पार्क पर 54.15 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। वहीं अनाज मंडी के सचिवालय साइड के गेट के पास स्थित पार्क के जीर्णोद्धार पर करीब 20.37 लाख रुपये की राशि खर्च की जाएगी। दोनों पार्कों पर करीब 75 लाख रुपये खर्च होंगे। नेहरू पार्क शहर के मुख्य पार्कों में से एक है। लंबे समय से उपेक्षा के कारण इस पार्क की हालत बिगड़ चुकी है। पार्क में टूटे फुटपाथ, क्षतिग्रस्त बाउंड्री, टूटी बेंच, टूटे झूले व गंदगी का आलम है। पार्क की हालत बिगड़ने से बच्चों, बुजुर्गों और सुबह-शाम टहलने वालों को काफी लोगों परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नेहरू पार्क में लंबे समय से ओवरफ्लो हो रहे सीवर की समस्या का भी समाधान नहीं हो पा रहा है।

पार्कों में तेजी हो रहा सुधार

नगर परिषद के अधीन पार्कों की दशा जल्द सुधारने का कार्य किया जा रहा है। इसके लिए टेंडर की प्रक्रिया की जा रही है। राव तुलाराम पार्क का कार्य चल रहा है। बाकि पार्कों का सुधार कार्य भी जल्द शुरू होगा।
-पूनम यादव, चेयरपर्सन, नगर परिषद।

रेवाड़ी। नए स्कूल भवन का भूमि पूजन करते प्राचार्य व स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

■ भूमि पूजन के साथ शुरू हुआ भवन का निर्माण

3.96 करोड़ से तैयार होगा सरकारी स्कूल का भवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जाटूसाना

शनिवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कंवाली के नए भवन के निर्माण के लिए वैदिक विधि विधान के साथ भूमि पूजन किया गया। प्राचार्य अनिल यादव की अगुवाई में अनुष्ठान में यजमान की भूमिका गांव सरपंच शीलवती यादव व उनके पति देशराज यादव ने निभाई। प्राचार्य ने बताया कि स्कूल का नया भवन नाबार्ड स्कीम के माध्यम से 3 करोड़ 96 लाख की लागत से बनाया जाएगा। यह भवन तीन मंजिला होगा, जिसका डिजाइन हरियाणा के मुख्य वास्तुकार के द्वारा बनाया गया है। स्कूल भवन आधुनिक सुविधाओं से पूरी तरह सुसज्जित होगा, जिसमें 12 कमरे, सभी लैब, प्राचार्य कक्ष, गेस्ट रूम अटैच पैंट्री, आधुनिक वॉशरूम व रैंप के साथ-साथ स्कूल की संपूर्ण चारदिवारी का निर्माण किया जाएगा। स्कूल भवन का निर्माण कार्य सर्व शिक्षा अभियान की नोडल एजेंसी की तकनीकी विंग की देखरेख में किया जाएगा, जिसे प्रवीण कंस्ट्रक्शन कंपनी की ओर से पूरा किया। प्राचार्य ने बताया कि नया भवन पूरी तरह सौर ऊर्जा पर आधारित होगा। इस अवसर पर मिथिलेश कुमारी, श्रीभगवान, रामसिंह, प्रदीप कुमार, सोनू पीटीआई, विजेंद्र, उपनिष, दिनेश कुमार, रमेश देवी व जीतू सहित सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

सड़क हादसों के आरोपी चालक काबू

रेवाड़ी। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर सड़क हादसों को अंजाम देने के बाद फरार हुए दो वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। धारूहेड़ा के सेक्टर-6 थाना पुलिस ने गत 31 दिसंबर को हुए हादसे के बाद ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। पुलिस ने केस की जांच करते हुए यूपी के बरोना निवासी मोअजम्म को गिरफ्तार किया है। धारूहेड़ा थाना पुलिस ने 13 दिसंबर को हुए हादसे के बाद फरार वाहन चालक राजस्थान के शेखपुर अहीर निवासी अरसद को गिरफ्तार किया है। बाद में दोनों को पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

■ गिरफ्तारी के बाद दोनों को जमानत पर किया रिहा

■ देरी से वेतन मिलने के कारण कार्मचारियों में पनप रहा रोष

सीएचओ पिछले 13 दिनों से ऑनलाइन वर्क स्ट्राइक पर, काम हो रहा बाधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

ऑल इंडिया एसोसिएशन कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर हरियाणा यानि आइको से यूनियन से संबंधित हरियाणा प्रदेश में कार्यरत सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी ऑनलाइन वर्क स्ट्राइक पर है। यूनियन के प्रधान डा. गुरप्रीत सीएचओ ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों का वेतन पिछले एक वर्ष से नियमित रूप से समय पर नहीं आ रहा है तथा इस बार भी दो-तीन महीने की देरी से वेतन मिलने की स्थिति बनी हुई है, वहीं परफॉर्मेंस बेस्ड इंसेंटिव भी करीब पांच से महीने से लंबित है, जिससे सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों में रोष है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि सरकार द्वारा ऑनलाइन एप्लीकेशन प्लेटफॉर्म लांच होने की वजह से डाटा ऑपरेटर का कार्य भी सीएचओ द्वारा ही किया जा रहा है। प्रत्येक प्रोग्राम का डिजिटलाइज कर दिया गया है। सीएचओ आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर कार्यरत है, जोकि धरातल लेवल पर गांव-गांव में घर-घर तक आयुष्मान आरोग्य मंदिर से मिलने वाली 12 स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे है।

रेवाड़ी। समस्याओं को लेकर रोष जताते हुए स्वास्थ्य अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

नहीं हो रहा समाधान

सभी समस्याओं को लेकर आइको की स्टेट कार्यकारिणी की ओर से एमडी एनएचएम को बार-बार अवगत भी कराया गया, लेकिन हर बार सीएचओ की समस्या के समाधान के रूप में सिर्फ आश्वासन मिल रहा है, जिस पर सीएचओ को ऑनलाइन वर्क स्ट्राइक का फैसला लेना पड़ा और पूरे हरियाणा के सीएचओ पिछले 13 दिनों से ऑनलाइन वर्क स्ट्राइक पर है, जिससे सीएचओ की ओर से किए जाने वाले ऑनलाइन कार्य डेली ओपीडी एंट्री, वेलनेस एंट्री, टेलीकंसल्टेशन, एनसीडी, निक्षय एंट्री, यूविन और मंथली एंट्री आदि सभी ऑनलाइन सेवाएं बंद है। सामुदायिक स्वास्थ्य स्टाफ ने सरकार से जल्द समस्या का समाधान करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगल जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आगामी दिनों में ऑनलाइन वर्क स्ट्राइक के साथ-साथ ऑफलाइन वर्क स्ट्राइक भी की जाएगी, जिससे आमजन की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो सकती है।

चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए गांवों में ठीकरी पहरा लगवाने के दिए निर्देश

जाटूसाना। जाटूसाना थाना प्रबंधक भगवत प्रसाद ने शनिवार को क्षेत्र के मौजिज व्यक्तियों के साथ बैठक कर उन्हें विभिन्न अपराधों की जानकारी व उनसे बचाव सहित नशे के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूक किया। इसके अलावा सर्दी के मौसम में बढ़ती चोरी की वारदातों को रोकने के लिए गांव में ठीकरी पहरा लगाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। एसएचओ जाटूसाना ने कहा कि सर्दी के मौसम में गांवों में चोरी की घटनाएं बढ़ने लगती है। इन घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए गांवों में नियमित रूप से ठीकरी पहरा लगवाना जरूरी है ताकि चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकें। उन्होंने कहा कि गांवों में शरारती तत्वों, नशाखोरी करने व संदिग्धों व्यक्तियों पर भी नजर रखे तथा इनकी सूचना तुरंत पुलिस को डायल-112 पर दे। पुलिस प्रशासन की ओर से जल्द और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रेवाड़ी। ग्रामीणों के साथ बैठक करते जाटूसाना थाना प्रभारी। फोटो : हरिभूमि

सावित्रीबाई फुले ने वंचितों के लिए किए ऐतिहासिक कार्य

रेवाड़ी। सावित्री बाई फुले को नमन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

■ समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ लड़ी लडाई

कांग्रेस के एससी डिपार्टमेंट की ओर से शनिवार को भारत की प्रथम महिला शिक्षिका, महान समाज सुधारक व नारी सशक्तिकरण की प्रतीक सावित्रीबाई फुले की जयंती जिलाध्यक्ष रमेश ठेकेदार के कार्यालय पर धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर रमेश ठेकेदार ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने अपने पति महात्मा ज्योतिबा फुले के साथ मिलकर महिलाओं, दलितों एवं वंचित वर्गों के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कार्य किए। उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने वर्ष 1848 में लड़कियों के लिए पहला स्कूल खोलकर महिला शिक्षा की मजबूत नींव रखी। वे बाल विवाह, छुआछूत और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आजीवन संघर्षरत रहीं तथा विधवा पुनर्विवाह की प्रबल समर्थक थीं। उनकी शिक्षाएं और लेखन आज भी समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन प्रधान बीरसिंह चावरिया ने किया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता सूबेदार मेजर सत्यनारायण सांभरिया, खूबराम सरपंच नंदरामपुर बांस, हीरासिंह, राजेंद्र सिंह गहलोत, राजेंद्र हांसावास, रमेश, बलबीर सिंह पंच, शिशपाल, डा. मामराज, सुदेश कुमार, हरिदास, इंद्रजीत, गौरी शंकर, मिथिलेश व सचिन सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

पुलिस टीम ने ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों व साइबर अपराधों के खतरों से किया सतर्क

■ पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने ग्रामीणों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

नशा मुक्त रेवाड़ी अभियान अंतर्गत पुलिस के समाजिक जागरूकता की दिशा में निरंतर प्रयास जारी हैं। निरीक्षक रामपाल के नेतृत्व में गठित नशा मुक्ति टीम ने शनिवार को गांव सिहास, नैन सुखपूरा व ढाणी सुंदरोज में ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर रामपाल ने कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है। विद्यार्थी देश का भविष्य है, जिनकों पढ़ाई, खेल और अपने सपनों में ध्यान लगाकर नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रहना चाहिए। पुलिस टीम ने कहा कि कि नशा शरीर ही नहीं, बल्कि जीवन और समाज के लिए भी जहर है। नशामुक्त और स्वस्थ रहना ही देश की सुरक्षा व प्रगति की गारंटी है। उन्होंने ग्रामीणों से अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।

रेवाड़ी। ग्रामीणों को जागरू करते हुए पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

साइबर अपराधियों से रहें सतर्क, अनजान व्यक्ति से पर्सनल डिटेल न करें साझा

पुलिस टीम ने ग्रामीणों को साइबर अपराध के खतरों से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी फोन कॉल, सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से व्यक्तिगत जानकारी जैसे ओटीपी व पासवर्ड आदि हासिल करने की कोशिश करते हैं। ऐसे में सभी को सतर्क रहना चाहिए और किसी भी अनजान व्यक्ति से अपनी निजी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। साइबर ठगी होने पर साइबर राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर-1930 पर कॉल करें। इस दौरान ग्रामीणों को यातायात नियमों की भी जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने कहा कि सड़क पर वाहन चलाते समय यातायात के नियमों का पालन करना जरूरी है। हेलमेट, सीट बेल्ट का प्रयोग और यातायात संकेतों का पालन कराना सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। पुलिस टीम ने कहा कि यदि कोई भी असामाजिक तत्व, संदिग्ध व्यक्ति या वाहन दिखाई दे या आपातकालीन स्थिति हो तो तुरंत डायल 112 पर सूचना दें। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति नशा करता है या नशा बेचता है तो इसकी सूचना मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 पर करें। पुलिस टीम ने सभी ग्रामीणों ने नशा और साइबर अपराधों से दूर रहने की शपथ भी दिलाई।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में नशे से दूर रहने की शपथ लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

नशा समाज, परिवार और युवाओं के भविष्य के लिए घातक : सीजेएम वर्मा

रेवाड़ी। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से नशा मुक्ति हरियाणा मिशन के तहत शनिवार को नशे से मुक्त रहने की शपथ दिलाई गई। सीजेएम अमित वर्मा ने बताया कि नशा मुक्ति हरियाणा मिशन के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिले भर में जागरूकता कैंपों का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्धेश्य नशे की लत से छुटकारा दिलाना है। उन्होंने कहा कि नशा, समाज, परिवार और युवाओं के भविष्य के लिए घातक है। योजना के तहत नशे से पीड़ति व्यक्तियों को कानूनी सहायता परामर्श एवं पुनर्वास केंद्र से जोड़ने तथा समाज में व्याप्त नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य किया जा रहा है। सचिव वर्मा ने बताया कि उच्चतम न्यायालय द्वारा आमजन के लिए टोल फ्री नंबर 15100 व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेवाड़ी की ओर सेएक हेल्पलाइन नंबर 01274-220 062 चलाया हुआ है, जिस पर आमजन किसी भी प्रकार के कानूनी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

इस साल लार्ज-कैप पर फोकस करें व सेक्टर चयन में बरतें समझदारी

▶▶ स्मार्ट निवेशकों को 2026 के लिए निवेश के टिप हाई वैल्यूएशन और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में लार्ज कैप सबसे बेस्ट

▶▶ 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखना सही रहेगा, इसमें अच्छा रिटर्न देने की क्षमता
▶▶ बैंकिंग, फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी प्रमुख ग्रोथ सेक्टर रहेंगे

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेश के नजरिये से देखा जाए तो वर्ष 2025 बेहद उतार-चढ़ाव वाला साल रहा। मिडकैप और स्मॉलकैप फंड्स ने जहां निवेशकों को निराश किया, वहीं लार्ज कैप फंड्स ने फायदा पहुंचाया है। अब बाजार के जानकारों का कहना है कि वर्ष 2026 के लिए निवेशकों निवेश के लिए धैर्य के साथ बेहतर रणनीति बनानी होगी, ताकि उनकी ग्रोथ बरकरार रह सके। अब 2026 में महंगाई के नियंत्रण में रहने, ब्याज दरों में संभावित कटौती और भू-राजनीतिक जोखिमों के धीरे-धीरे कम होने से बाजार के माहौल में सुधार की उम्मीद है। जानकारों ने 2026 में लार्ज-कैप शेयरों पर फोकस करने की सलाह है। हाई वैल्यूएशन और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में लार्ज कैप कंपनियां ज्यादा स्थिरता, बेहतर बैलेंस शीट और मजबूत अर्निंग हासिल करती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पोर्टफोलियो का लगभग 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखना सही रहेगा. मिड और स्मॉल-कैप में अवसर हैं, लेकिन केवल चुनिंदा और मजबूत कंपनियों में ही निवेश करना चाहिए। बैंकिंग, फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी प्रमुख ग्रोथ के सेक्टर रहेंगे। ऐसे में इन सेक्टरों पर निवेश के लिए फोकस किया जा सकता है।

यह वर्ष सावधानी के साथ अवसर वाला

नए साल की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए ज्यादा बैलेंस और उम्मीदों से भरी दिख रही है। 2025 में ग्लोबल टेंशन, हाई वैल्यूएशन और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद भारतीय बाजार घरेलू निवेशकों की मजबूत भागीदारी से टिका रहा। यह साल "सावधानी के साथ अवसर" वाला माना जा सकता है। एक ब्रोकरेज हाउस ने 2026 की इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजी पर अपनी एक रिपोर्ट दी है। इसमें कहा गया है कि निवेशकों को लार्ज कैप फंड्स पर फोकस करना चाहिए, चूंकि लार्ज कैप कंपनियां ज्यादा स्थिरता प्रदान करती हैं।

निवेश के लिए यह दी सलाह

ब्रोकरेज हाउस ने गोल्ड और सिल्वर में एलोकेशन घटाकर 5 फीसदी और डेट कैटेगरी (बॉन्ड/फिक्स्ड इनकम) में 10 फीसदी करने की सलाह दी है, ताकि स्थिरता और जोखिम संतुलन बना रहे। जैसे-जैसे वैश्विक जोखिम कम होंगे, इक्विटी की ओर झुकाव बढ़ेगा। निवेशक 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखें। इसके अलावा गोल्ड, सिल्वर में 5% और डेट कैटेगरी में 10% निवेश की सलाह दी जाती है। इससे आपका पोर्टफोलियो बैलेंस रहेगा और निवेश में मुनाफा होगा, नुकसान नहीं।

इन सेक्टर पर करें फोकस

सेक्टर लेवल पर, बैंकिंग और फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी 2026 के प्रमुख ग्रोथ सेक्टर माने गए हैं। ब्याज दरों में कटौती से बैंकों को क्रेडिट ग्रोथ का फायदा मिलेगा, जबकि सरकारी कैपेक्स और निजी निवेश में सुधार से इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों को सपोर्ट मिलेगा। टैक्स राहत, कम महंगाई और 8वें वेतन आयोग जैसी उम्मीदों से उपभोक्ता खर्च बढ़ने की संभावना है।

टिकाऊ ग्रोथ वाला साल

कुल मिलाकर, 2026 को "धीरे लेकिन टिकाऊ ग्रोथ" का साल माना जा रहा है। निफ्टी-50 के लिए दिसंबर 2026 तक लगभग 29,150 का लक्ष्य रखा गया है, जो करीब 12% सालाना रिटर्न का संकेत देता है। हालांकि हाई वैल्यूएशन, विदेशी निवेशकों की वापसी में देरी और वैश्विक घटनाक्रम जोखिम बने रहेंगे। इसलिए 2026 की सबसे अच्छी निवेश रणनीति होगी-लार्ज-कैप पर फोकस, सेक्टर चयन में समझदारी, और डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो के साथ धैर्य।

क्या हैं लार्जकैप फंड्स

लार्ज-कैप फंड्स उन कंपनियों में निवेश करते हैं, जिनकी मार्केट कैपिटलाइजेशन 20,000 करोड़ रुपये से अधिक होती है। ये फंड्स स्थिरता और कम जोखिम के लिए जाने जाते हैं, जो उन्हें लंबी अवधि के निवेशकों के लिए उपयुक्त बनाते हैं।

टॉप लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड्स

- निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 27% और 10-वर्षीय रिटर्न 16%
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 23% और 10-वर्षीय रिटर्न 16%
- एचडीएफसी लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 23% और 10-वर्षीय रिटर्न 14%
- इन्वेस्को इंडिया लार्जकैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 22% और 10-वर्षीय रिटर्न 15%
- टाटा लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 21% और 10-वर्षीय रिटर्न 14%

लार्ज-कैप फंड्स के फायदे

- स्थिरता और कम जोखिम
- लंबी अवधि के निवेश के लिए उपयुक्त
- अनुभवी फंड मैनेजर्स द्वारा प्रबंधित
- विविध पोर्टफोलियो

बिना बिल घर में रख सकते हैं कितना सोना, समझ लें नियम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

■ शादी, विरासत और गिफ्ट में मिले गोल्ड पर ऐसे है टैक्स के नियम
■ अगर सोने के गहने या आभूषण वैध आय से प्राप्त किए गए हैं और करदाता उसका स्रोत बताए

भारत में शादी ब्याह का सीजन चल रहा है। इसका मतलब है कई पारिवारिक कार्यक्रम और साथ ही घरों में लॉकर से सोना निकालकर दुल्हन के गहनों में शामिल किया जाना। आम धारणा के उलट, भारत में किसी व्यक्ति या परिवार के पास सोने की मात्रा पर कोई कानूनी सीमा नहीं है। शर्त सिर्फ यह है कि सोना खरीदने या पाने का स्रोत बताया जा सके। ज्यादातर लोग जिन सीमाओं का जिक्र करते हैं, वे सीबीडीटी (सीबीडीटी) की नॉन-सीजर गाइडलाइंस से जुड़ी हैं। ये गाइडलाइंस आयकर विभाग की तलाशी और जब्ती की कार्रवाई के दौरान लागू होते हैं। ये सोना रखने की सीमा नहीं हैं, बल्कि वह मात्रा है, जिनके भीतर होने पर, दस्तावेज न होने की स्थिति में भी आमतौर पर गहने जब्त नहीं किए जाते।

ये बातें नजरअंदाज न करें

ये लचीले नियम सिर्फ व्यक्तिगत और घरेलू इस्तेमाल के गहनों पर लागू होते हैं, न कि इन मामलों में निवेश के तौर पर जमा किया गया सोना, बड़ी मात्रा में रखे गए बुलियन, सिक्के या सोने की ईंटें, बिना वित्तीय स्रोत बताए ट्रेडिंग या सट्टे के लिए जमा किया गया सोना अगर सोने की मात्रा तय सीमा से ज्यादा है और उसका स्रोत नहीं बताया जा सकता, तो अतिरिक्त सोना अघोषित निवेश माना जा सकता है। ऐसे में भारी टैक्स और जुर्माना लगाया जा सकता है।

फाइनेंशियल एक्सपर्ट के अनुसार आज के समय में इसका मतलब रुपये के लिहाज से क्या होता है। एक सामान्य परिवार, जिसमें पति, पत्नी और एक अविवाहित बेटी शामिल हों, उसके लिए कानूनी रूप से स्वीकार्य सोने की मात्रा इस प्रकार है। पत्नी 500 ग्राम, पति 100 ग्राम, बेटी 250 ग्राम। इस तरह कुल सोना 850 ग्राम होता है।

कितना सोना रखना कानूनी रूप से सही

अगर सोने के गहने या आभूषण वैध आय से प्राप्त किए गए हैं और करदाता उसका स्रोत समझा सकता है, तो उन्हें रखने पर कोई पाबंदी नहीं है। इसमें विरासत में मिला सोना भी शामिल है। हालांकि, एक तय मात्रा तक सोना रखने के लिए स्रोत बताने की जरूरत नहीं होती।" विवाहित महिला 500 ग्राम तक सोने के गहने रख सकती है, अविवाहित महिला 250 ग्राम तक सोने के गहने रख सकती है। वहीं, पुरुष 100 ग्राम तक सोने के गहने रख सकते हैं। हिंदू अविभाजित परिवार सोने की मात्रा का आकलन परिवार की आय और सामाजिक स्थिति के आधार पर किया जाता है, इसके लिए कोई तय सीमा नहीं है। ये सीमाएं भारतीय सामाजिक परंपराओं- जैसे शादी, विरासत और पारिवारिक उपहार- को ध्यान में रखकर तय की गई हैं और इन्हें घरों में रखे जाने वाले सोने की उचित मात्रा माना जाता है। ये तय सीमाएं केवल उसी व्यक्ति के परिवार के सदस्यों पर लागू होती हैं, जिसके खिलाफ आयकर विभाग की तलाशी (टैक्स सर्च) की कार्रवाई की जाती है। यदि तलाशी के दौरान परिवार के सदस्यों के अलावा किसी और के आभूषण पाए जाते हैं, तो उन्हें कर अधिकारियों द्वारा जब्त किया जा सकता है।

यह स्पष्टता क्यों जरूरी

यह अंतर परिवारों के लिए बेहद अहम है, क्योंकि इससे टैक्स सर्च के दौरान बेवजह की घबराहट से बचाव होता है। भारतीय संस्कृति और परंपरा में गहनों के महत्व को मान्यता मिलती है। वैध घरेलू संपत्ति और अघोषित आय के बीच साफ फर्क किया जा सकता है। गलत जानकारी के कारण होने वाली महंगी कानूनी या अनुपालन संबंधी गलतियों से बचाव होता है। अधिकांश गलतियां दो छोरों पर होती हैं या तो लोग मान लेते हैं कि बिना बिल का कोई भी सोना अवैध है, या फिर बड़ी मात्रा में रखे गए, बिना स्रोत बताए गए सोने के लिए जरूरी दस्तावेजों को पूरी तरह नजरअंदाज कर देते हैं। यदि कोई व्यक्ति वर्षों में घोषित आय से खरीदे गए सोने का स्रोत साबित कर सकता है, तो वह कितनी भी मात्रा में सोना रख सकता है। इसी तरह, उपहार या विरासत में मिले सोने के मामले में भी संबंधित बिल, वसीयत, डीड या अन्य दस्तावेज होने चाहिए।

चांदी में 2026 में भी बड़ी संभानाएं लेकिन संभलकर करना होगा निवेश

●बिना रणनीति और जोखिम प्रबंधन के निवेश हो सकता है रिस्की ●अगले 1-2 साल में 90–100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव●एमसीएक्स पर डेढ़ माह में चांदी करीब 50% तक उछली

सुझाव
बिजनेस डेस्क

पिछले डेढ़ महीने में चांदी ने जो रफ्तार दिखाई है, उसने निवेशकों को चौंका दिया है। इस दौरान एमसीएक्स पर चांदी करीब 50% तक उछल चुकी है और अब सवाल यही है कि क्या यह सिर्फ एक तेज रैली है या इसके पीछे कोई गहरी वजह छिपी है? हकीकत यह है कि यह उछाल अफवाहों या सट्टेबाजी का नतीजा नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर चांदी की भूमिका में आए बड़े बदलाव का संकेत है। फिलहाल इस सुपर रैली के बाद निवेशकों को चांदी में क्या करना चाहिए। जानकारों का कहना है कि चांदी 2026 में भी निवेशकों की चांदी करवाएगी, लेकिन इसके लिए लोगों को संभलकर निवेश करना होगा और रणनीति बनानी होगी, ताकि बाद में पछताना न पड़े। सर्राफा बाजार के जानकारों का कहना है कि चांदी की भूमिका वैश्विक स्तर पर बढ़ी है। अगर इंडस्ट्रियल डिमांड और सप्लाई की बनी रहती है, तो अगले 1-2 साल में 90–100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव है। यह निवेशकों को मालामाल कर सकती है।

चांदी की भूमिका में बड़ा बदलाव

जानकारों का कहना है कि कई सालों तक चांदी को या तो गहनों के लिस मेटल माना गया या फिर ट्रेडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाला मेटल, लेकिन अब यह सोच बदल चुकी है। आज चांदी रणनीतिक इंडस्ट्रियल मेटल बन चुकी है। रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रिफिकेशन, डिजिटल इकॉनमी और रक्षा क्षेत्र में बढ़ती जरूरतों ने चांदी को उत्पादन के लिए अनिवार्य बना दिया है। यही वजह है कि इसकी मांग अब अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी बनती जा रही है।

इंडस्ट्रियल डिमांड क्यों है मजबूत

चांदी की सबसे बड़ी ताकत है इसकी बेहतरीन इलेक्ट्रिकल कंडक्टिविटी, जो इसे सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर्स, पावर ग्रिड और डिफेंस सिस्टम्स में बेहद जरूरी बनाती है। इन क्षेत्रों में कीमत से ज्यादा भरोसे और प्रदर्शन को अहमियत दी जाती है। इसका मतलब यह है कि दाम बढ़ने के बावजूद कंपनियां चांदी खरीदना बंद नहीं कर सकतीं। इसी वजह से चांदी की मांग अब प्राइस इनेलास्टिक हो गई है और गिरावट पर तुरंत सपोर्ट देखने को मिलता है।

ये रैली, पिछली रैलियों से क्यों अलग

लंबे समय तक चांदी की कीमतें फ्यूचर्स और पेपर ट्रेडिंग से तय होती रहीं, लेकिन जैसे ही ग्लोबल स्तर पर दाम संवेदनशील स्तरों तक पहुंचे, फिजिकल उपलब्धता का सवाल खड़ा हो गया। सप्लाई टाइट हुई, सेलर्स पीछे हटे और खरीदार मजबूर होकर ऊंचे दाम पर खरीदने लगे. नतीजा तेज सिंगल-डे मूव्स और लगातार ऊंची क्लोजिंग, जो यह दिखाते हैं कि बाजार अब राय नहीं, बल्कि हकीकत के आधार पर कीमत तय कर रहा है। आगे चलकर चांदी में संभावनाएं बनी हुई हैं। अगर इंडस्ट्रियल डिमांड और सप्लाई की कमी बनी रहती है, तो अगले 1-2 साल में 90-100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव है, लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि चांदी बेहद अस्थिर (वोलेटाइल) कमोडिटी है। 1980 और 2011 की तरह तेज रैली के बाद गहरी गिरावट भी आ सकती है। लंबे समय में 40 डॉलर प्रति औंस एक अहम सपोर्ट जोन माना जाता है। इसलिए चांदी में निवेश मौका जरूर है, लेकिन बिना रणनीति और जोखिम प्रबंधन के निवेश रिस्की हो सकता है।

चांदी में निवेश के विकल्प

- **फिजिकल चांदी :** आप बाजार से चांदी के सिक्के, गहने या बार खरीद सकते हैं। इसमें चोरी या शुद्धता की चिंता रहती है, इसलिए बीआईएस हॉलमार्क्ड चांदी ही खरीदना चाहिए।
- **सिल्वर ईटीएफ :** ये एक ऐसा फंड है जो चांदी की कीमतों पर आधारित है। इसमें पैसा चांदी की कीमत के हिसाब से बढ़ता-घटता है। ये स्टॉक एक्सचेंज पर शेयरों की तरह ट्रेड होते हैं।
- **म्यूचुअल फंड्स :** चांदी से जुड़े म्यूचुअल फंड्स भी अच्छे विकल्प हैं। कमोडिटी फंड, खनन कंपनियों के शेयर और एमसीएक्स फ्यूचर्स-ऑप्शन्स भी विकल्प हैं।
- सोवरिन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) की तरह सिल्वर बॉन्ड : सरकार द्वारा जारी किए जाते हैं, जो चांदी की कीमतों से जुड़े होते हैं।
- **चांदी के शेयर :** चांदी की खनन करने वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश कर सकते हैं, जैसे कि फर्स्ट मैजेस्टिक सिल्वर कॉर्प, पैन अमेरिकन सिल्वर कॉर्प और एंडेवर सिल्वर कॉर्प।

अलर्ट हर व्यक्ति कमाई को सही तरीके से निवेश कर बन सकता है मजबूत

बचत करने के लिए स्पष्ट योजना बनाएं और भविष्य को सुरक्षित करें

मनी मैनेजमेंट के टिप्स अपनाएं जेब कभी भी नहीं होगी खाली, सेविंग को पहले रखें और खर्च बाद में करें

समझदारी
बिजनेस डेस्क

आज के समय में बहुत से लोग अच्छी कमाई करते हैं, लेकिन हर महीने यह महसूस करते हैं कि पैसा जैसे जेब से गायब हो जाता है। उनके पास कोई स्पष्ट योजना नहीं होती कि पैसा कहां जा रहा है और आखिर बचत कैसे करनी चाहिए। यह समस्या आज के समय में लगभग हर घर में देखने को मिलती है। कई लोग सही तरीके से पैसे को मैनेज नहीं करते, जिसकी वजह से ठीक-ठाक कमाई होने के बावजूद आर्थिक तनाव बना रहता है। अधिकतर लोगों में यही गलती रहती है कि वो कमाते तो ठीक-ठाक हैं, लेकिन पैसों को संभालने का कोई सिस्टम नहीं बनाते। इससे हर महीने के अंत में पैसे के मामले में निराशा होती है। अगर सही मनी मैनेजमेंट टिप्स अपनाए जाएं, तो कमाई को सही दिशा में लगाया जा सकता है और खुद को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ टिप्स जो आपको सही मनी मैनेजमेंट के गुर सिखाएंगे।

खर्च करने से पहले बचत को ऑटोमैटिक बनाएं

पहला और सबसे महत्वपूर्ण सुझाव है कि सेविंग को पहले रखें और खर्च बाद में करें। ज्यादातर लोग महीने का पूरा बजट बनाने के बजाय जितना बचेगा उतना बचत में डालते हैं, लेकिन यह तरीका अक्सर काम नहीं करता।

उनका सुझाव है कि महीने के पहले दिन ही अपने अकाउंट से एक तय रकम ऑटोमैटिक ट्रांसफर करें। यह रकम बचत खाते या निवेश खाते में जा सकती है। इससे न सिर्फ बचत हो जाएगी, बल्कि मन में पैसों को लेकर तनाव भी कम होगा। ऑटोमैटिक बचत करने वाले लोग महीने के अंत में पैसे के मामले में ज्यादा सुरक्षित महसूस करते हैं और बड़े खर्चों के लिए भी तैयार रहते हैं।

हर खर्च को ऐप में ट्रैक करें

दूसरा टिप है बजटिंग ऐप्स का इस्तेमाल करना। कई लोग खर्च सिर्फ याद्दाश्त या नोटबुक पर रखते हैं, लेकिन इस तरह उनका सही हिसाब नहीं बन पाता। बजटिंग ऐप्स के माध्यम से हर छोटा-बड़ा खर्च रिकॉर्ड करें। जब लोग हर खर्च को ऐप में नोट करते हैं, तो उन्हें पता चलता है कि पैसा वास्तव में कहां जा रहा है। छोटे-छोटे खर्च जैसे कैफे में कॉफी, ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन या अनावश्यक शॉपिंग मिलकर बड़ी रकम बनाते हैं।" ऐप्स आपको खर्च के हिसाब से रिपोर्ट भी देते हैं, जिससे पता चलता है कि किस जगह से बचत की जा सकती है।

कैशबैक और रिवॉर्ड्स से स्मार्ट कमाई करें

तीसरा टिप है कैशबैक और रिवॉर्ड। आजकल लगभग हर बैंक, क्रेडिट कार्ड और पेमेंट ऐप में रिवॉर्ड पॉइंट्स, कैशबैक और रेफरल बोनस होते हैं। छोटे-छोटे ऑफर्स को इग्नोर करने से आप अपनी कमाई का हिस्सा गंवा सकते हैं। यूपीआई ऑफर्स, क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड्स और रेफरल बोनस को जोड़कर देखें, तो सालाना लाखों रुपये तक की बचत या स्मार्ट रिटर्न संभव है। यह तकनीक केवल उन लोगों के लिए नहीं है जो बड़ी कमाई करते हैं, बल्कि छोटे खर्च वाले लोग भी इसका फायदा उठा सकते हैं।

दोस्तों के साथ खर्च बांटें, बोझ न लें

कई बार लोग पूरी बिलिंग खुद उठाते हैं, चाहे वह डिनर हो, मूवी टिकट हों या ट्रिप का खर्च। चौथा टिप है कि खर्च को आपस में शेयर करें। आजकल कई ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ऐसे हैं जो दोस्तों के साथ खर्च बांटना आसान बनाते हैं। जब आप खर्च शेयर करते हैं, तो न केवल आपकी जेब पर बोझ कम होता है, बल्कि पैसे के इस्तेमाल का हिसाब भी साफ रहता है। इससे अनावश्यक उधारी लेने की जरूरत भी नहीं पड़ती।"

पैसे के लिए सिस्टम बनाएं, तनाव खुद कम होगा

छठा और अंतिम टिप यह है कि पैसे के लिए सिस्टम बनाएं। जब हर महीने का खर्च, बचत और निवेश तय सिस्टम के अनुसार होता है, तो मानसिक तनाव अपने आप कम हो जाता है। कई लोग पैसों के मामले में तनाव में रहते हैं, लेकिन जब एक साधारण सिस्टम अपनाया जाता है, जैसे ऑटो सेविंग, खर्च ट्रैक करना और निवेश करना, तो चिंता अपने आप कम हो जाती है। यह तरीका मानसिक शांति के साथ-साथ आर्थिक मजबूती भी देता है।

छोटी बचत को लंबी निवेश आदत बनाएं

पांचवां टिप है एसआईपी या लंबी अवधि के निवेश में छोटी बचत को बदलना। अक्सर लोग सोचते हैं कि सिर्फ बड़ी रकम का निवेश करना ही फायदा देगा, लेकिन बाजार के जानकारों का कहना है कि छोटी रकम भी लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएट कर सकती है। वो कहते हैं सिर्फ 500 रुपये महीना भी एसआईपी में निवेश करके 10-15 साल में अच्छी राशि जमा की जा सकती है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह आदत बन जाती है और नियमित निवेश से वित्तीय सुरक्षा मिलती है।

सीएम से मिली मंजूरी नारनौल नगर परिषद में मंजूरी का पत्र मिलने के बाद शुरू होगा कार्य

डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन की तैयारी, 2 नहीं 5 साल के लिए 12.5 करोड़ का छोड़ा टेंडर, फरीदाबाद की एजेंसी को मिला कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नगर परिषद में इस समय करीब 200 सफाई कर्मचारी है। इन्हें शहर को बांटे गए चार जोन में लगाया गया है। इनमें सात दरोगा है। जिनमें दरोगा रामौतार के पास 13, दरोगा प्रताप के पास 22, दरोगा नरेश के पास 18, दरोगा राहुल के पास 25, दरोगा भूपेंद्र के पास 18, दरोगा महेंद्र सिंह के पास 27 और दरोगा महेंद्र दायमा के पास 64 सफाई कर्मचारी काम कर रहे है।

कुछ सफाई कर्मचारी अधिकारी व नेताओं की कोठियों में काम कर रहे

कुछ सफाई कर्मचारी अधिकारी व नेताओं की कोठियों में काम कर रहे है। इसके बावजूद शहर स्वच्छ नहीं होने की बात कहकर डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन के लिए एजेंसी को कार्य दिया जाता है। इस बार यह टेंडर 12.5 करोड़ में पांच साल के लिए छोड़ा गया है। बड़ी राशि होने के कारण इसकी मंजूरी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की ओर से मिली। फरीदाबाद की जिस एजेंसी को यह ठेका मिला है, उसे एक जनवरी को काम शुरू कर देना चाहिए था। बताया जा रहा है कि 10 जनवरी के बाद यह एजेंसी शहर में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन कार्य शुरू करेगी।

जानकारी के मुताबिक नारनौल शहर अभी महानगरों की तरह नहीं उभरा है। अभी भी शहर के करीब 60 फीसदी हिस्से में घर की महिलाएं ही सुबह सवेरे सफाई करती है। करीब 40 फीसदी ऐसा क्षेत्र है जहां ऐसा नहीं होता। शहर की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन व्यवस्था शुरू की गई है। पिछली बार डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन का कार्य जिस एजेंसी का दिया गया था, उसके टेंडर की दो साल की अवधि जून-2025 में पूरी हो गई थी। नए सिरे से टेंडर प्रक्रिया जल्द शुरू नहीं होने की वजह से उसी एजेंसी को कार्य सौंप दिया गया ताकि शहर में सफाई व्यस्था ना बिगड़े। कई बार टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई, पर शर्तों में बदलाव और राशि भुगतान में देरी के कारण एजेंसी को बीच में कई बार कार्य बंद करना पड़ा था।

दूसरी तरफ, नए टेंडर प्रक्रिया की दरें सरकार स्तर से स्वीकृत न होने के कारण नगर परिषद को मजबूरन पुरानी एजेंसी से ही कार्य करवाना पड़ा था। हर बार की तरह दो साल की बजाय इस बार पांच साल के लिए डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन का टेंडर छोड़ा गया है।

क्या कहते हैं जेई

नगर परिषद में सफाई शाखा के कनिष्ठ अभियंता विकास शर्मा ने बताया कि डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन का कार्य इस बार पांच साल के लिए एजेंसी को सौंपा गया है। यह फरीदाबाद की एजेंसी है। इसकी मंजूरी कुछ दिनों पहले ही सरकार ने देने की घोषणा की थी। अभी मंजूरी संबंधित पत्र नगर परिषद को नहीं मिला है। पत्र मिलते ही संबंधित एजेंसी से शहर में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन कार्य शुरू करवाया जाएगा। शहरवासी भी इस कार्य में नगर परिषद प्रशासन का सहयोग करें।

संसाधनों में वृद्धि करने की जरूरत, तभी बनेगी बात

डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन का कार्य पहले जिस एजेंसी को दिया हुआ था, उसके बाद 31 टैम्पो, पांच ट्रैक्टर-ट्राली और एक लोड मशीन थी। इसी से वह शहर के 31 वार्डों में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन कार्य कर रही थी। इतने कम संसाधनों की वजह से सफाई व्यवस्था बिगड़ी हुई थी। कारण, शहर में ऐसे कई वार्ड है, जिनका दायरा बहुत बड़ा है। शहर के इर्द-गिर्द कई गांवों को शहर में जोड़ने की वजह से उन शहरी गांव में सफाई व्यवस्था बिगड़ी हुई है। पार्षदों के बार बार विरोध करने और आमजन की परेशानी को भांपते हुए इस बार पांच साल का टेंडर छोड़ा गया है। ऐसे में अब सवाल उठता है कि अगर पुरानी एजेंसी की तरह ही अब जिस एजेंसी को काम सौंपा गया है, संसाधन कम रहेंगे तो सफाई व्यवस्था काबू में नहीं आएंगी। इसके लिए एजेंसी को संसाधनों में वृद्धि करनी होगी ताकि व्यापक स्तर पर सुधार हो सके।

खबर संक्षेप

रेवाड़ी। जरूरतमंदों को कंबल वितरित करते अमित स्वामी। फोटो : हरिभूमि

जरूरतमंदों को कंबल वितरित करके दी राहत

रेवाड़ी। यंग मैंस एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष व जिम एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित स्वामी ने शनिवार को अपने जन्मोत्सव पर जरूरत व असहाय लोगों को कंबल वितरित करके मनाया। इस मौके पर स्वामी ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। जरूरतमंदों और गरीबों की सेवा से मन प्रफुल्लित होता है और मानवता जाग्रत होती है। इसलिए सभी को अपने-अपने स्तर पर जरूरतमंदों और गरीबों की सेवा के लिए तत्पर रहना चाहिए। इस मौके पर जिम एसोसिएशन के अनेक सदस्य मौजूद थे।

सिटी पुलिस ने गिरफ्तार किए चार आरोपी

रेवाड़ी। सिटी थाना पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मारपीट में घायल होने के बाद अस्पताल में उपचाराधीन घायल के बयान बीते 30 दिसंबर को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने नई बस्ती निवासी गजराज, दीपांशु, सुरेंद्र और अजय को गिरफ्तार कर लिया। चारों को तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

अदालत के आदेशों की अवहेलना करने पर बेल जंपर गिरफ्तार

रेवाड़ी। अभियोग संख्या 102-2018 धारा 279, 283, 337 आईपीसी धारूहेड़ा थाने में आरोपी नीरज निवासी गांव रामपुरा हाल आबाद धारूहेड़ा को अदालत की ओर से जमानत पर छोड़ा गया था और आगामी तारीख पेशी पर न्यायालय में पेश होने के आदेश दिए गए थे, लेकिन आरोपी के निश्चित की गई तारीख पर अदालत के सम्मुख पेश न होने व आदेशों की अवहेलना करने पर उसे जमानोत्तर अपराधी घोषित किया गया।

मकर संक्रांति पर परिणय-सूत्र में बंधेंगे 21 जोड़े, तैयारियां हुईं तेज

श्री श्याम सेवा समिति की ओर से सर्वजातीय विवाह समारोह का होगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

श्री श्याम सेवा समिति ट्रस्ट की ओर से मकर संक्रांति पर आयोजित होने वाले सर्वजातीय विवाह समारोह की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। मॉडल टाउन स्थित हिंदू हाई स्कूल में 14 जनवरी को होने वाले समारोह के लिए 21 जोड़ों के आवेदन स्वीकृत किए गए हैं। समारोह में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली मुख्य अतिथि होंगे, जबकि विधायक लक्ष्मण यादव समारोह की अध्यक्षता करेंगे। मीडिया प्रभारी गोपाल शर्मा ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से यह 23वां सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया जा रहा है। अभी तक ट्रस्ट की ओर से 503 लड़कियों का विवाह कराया जा चुका है। इस बार विवाह के लिए 26 जोड़ों ने आवेदन किया था, जिनमें से 21 जोड़ों के आवेदन सही पाए गए, जिनमें से16 जोड़ों के आवेदन जमा हो चुके हैं। आवेदन जमा कराने की अंतिम तिथि 5 जनवरी रखी गई है। ट्रस्ट के चेयरमैन रामकिशन अग्रवाल ने कहा कि सभी जोड़ों का सनातन परंपरा के अनुसार पूर्ण रीति रिवाज से विवाह संपन्न कराया जाएगा। शहर के मुख्य मार्गों पर सड़क निर्माण के चलते इस बार शोभायात्रा नहीं निकाली जाएगी।

- विधायक लक्ष्मण यादव समारोह की अध्यक्षता करेंगे

रेवाड़ी। समारोह को लेकर जानकारी देते ट्रस्ट के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

समारोह में समाजसेवी राहुल यादव दीप प्रज्वलित करेंगे तथा जुगनू गोयल माल्यार्पण करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्षा वंदना पोपली, बीएमजी ग्रुप के चेयरमैन राधेश्याम गुप्ता, समाजसेवी विकास गर्ग, ब्लाक समिति चेयरमैन प्रदीप बाम्बड, समाजसेवी रमेश सचदेवा व हरिसिंह सैनी शामिल होंगे। ट्रस्ट के चेयरमैन रामकिशन गंडाला वाले, प्रधान प्रवीण अग्रवाल सातों वाले, उपप्रधान मनोज गोयल, सचिव शरद गोयल, कोषाध्यक्ष गोविंद अग्रवाल, ट्रस्टी राजीव गोयल, दीपक अग्रवाल पाल्हावासिया, प्रेम प्रकाश अग्रवाल, प्रवीण डाटा, सतीश अग्रवाल व प्रेमस्वरूप अग्रवाल ने शहर के सभी नागरिकों से समारोह में शामिल होकर वर-वधू को आशीर्वाद देने की अपील की है।

रेवाड़ी। लोगों के कागजात चैक करते हुए पुलिस। फोटो : हरिभूमि

जिले में अनाधिकृत रूप से किसी को भी रहने की छूट नहीं: एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

- पुलिस टीम ने अनाधिकृत रूप से रह रहे रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान के लिए चलाया सर्च अभियान

जिला पुलिस व स्वेत टीम ने शनिवार को थाना खोल व रामपुरा क्षेत्र में अनाधिकृत रूप से रहने वाले रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान के लिए सर्च अभियान चलाया। पुलिस की ओर से ईट-भट्ठों सहित झुग्गी-झोपड़ियों, होटल, पोल्ट्री फार्म व अन्य संदिग्ध स्थानों पर जांच की गई। इस दौरान पुलिस टीम ने बाहरी श्रमिकों की भी जानकारी ली तथा उनके पहचान पत्र जांचे। पुलिस ने वाहनों के कागजातों की भी जांच की। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि जिले में अनाधिकृत रूप से किसी को भी रहने की छूट नहीं है। बाहरी लोगों की पहचान के लिए पुलिस का अभियान आगे भी इस तरह का लगातार जारी रहेगा। सुरक्षा की दृष्टि से यह कदम उठाए जा रहे हैं। एसपी मीणा ने जिला वासियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने पास काम करने वाले या किराए पर रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पुलिस वेरिफिकेशन जरूर कराएं। अगर भविष्य में कोई व्यक्ति ऐसा नहीं करता तो उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में वैज्ञानिक पद पर चयनित हुई अनेकता

वर्ष 2023 में हरियाणा प्रशासनिक परीक्षा पास की थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

अनेकता।

शहर के मोहल्ला सरस्वती विहार निवासी अनेकता का चयन हरियाणा लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित परीक्षा में हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में वैज्ञानिक के पद पर हुआ है। अनेकता के पिता सुरेंद्र सिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मूंदी में प्राचार्य हैं तथा माता सावित्री देवी गृहिणी है। अनेकता ने बीएससी की पढ़ाई केएलपी कॉलेज रेवाड़ी तथा एमएससी की डिग्री कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से प्राप्त की। अनेकता का छोटा भाई डॉक्टर और बड़ी बहन शिक्षिका है। उनके पति नवीन यादव भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय में कार्यरत हैं। अनेकता ने वर्ष 2023 में हरियाणा प्रशासनिक परीक्षा पास की थी। इस उपलब्धि पर देवेंद्र सिंह यादव, ब्रिगेडियर सुरेंद्र सिंह यादव, जीएसटी इंस्पेक्टर आदित्य यादव, एक्साईएन अविनाश यादव, कैप्टन वेद प्रकाश यादव,राजेश यादव, डा. रघुवीर सिंह यादव, डा. पवन कुमार यादव, शादीराम, हरियाणा मास्टर वर्ग संगठन के पूर्व प्रधान रमेश यादव, डा. दुष्यंत यादव, सुरेंद्र यादव, शमशेर यादव, दिलबाग यादव, जयकिशन, तिलक चौहान, खंड शिक्षा अधिकारी संतोष तंवर व सीएम के पूर्व ओएसडी अभिमन्यु यादव ने अनेकता को बधाई दी है।

सावित्रीबाई फुले ने विपरीत हालात होते हुए भी बालिकाओं को किया शिक्षित: प्रेम कुमारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

- दलितो, शोषितों के हित में किए कई सराहनीय कार्य

माता रमाबाई सामाजिक उत्थान संस्था की ओर से आजाद नगर में प्रथम भारतीय महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फूले का जन्म दिवस हर्षोल्लास के साथमनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेम कुमारी पूर्व अध्यापिका ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में डा. रेनू वर्मा प्रवर चिकित्सक कनीना मौजूद थी। मंच संचालन कुमारी आरती सिंह असिस्टेंट प्रोफेसर ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रथम भारतीय महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित करके किया गया। वक्ताओं ने उनके जीवन संघर्ष एवं शिक्षा के प्रति योगदान पर प्रकाश डाला। इस मौके पर नारायण सिंह तंवर, ईश्वर सिंह, जगदीश प्रसाद डहिनवाल, महेश दत्त, आरपी मेहरा, आरएस सांभरिया, कर्मबीर सिंह, एनके रोहिल्ला, देवेंद्र कुमार सैनी, आरडी शर्मा जांगिड़ समाज, धमेंद्र सिंघवैया, इंजी. बुधराम पंवार तथा महिला वक्ता सुमित्रा पंवार व कीर्ति पूर्णिमा ने अपने विचार रखें। मुख्य अतिथि ने कहा कि आज सावित्रीबाई फुले की ओर से दिखाए गए रास्ते पर चलकर हम उच्च पदों पर पहुंचे हैं। प्रेम कुमारी ने कहा कि उन्होंने विपरीत हालात होते हुए भी बालिकाओं को शिक्षित किया तथा उन्होंने मुख्य रूप से बालिका विवाह पर रोक लगाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर नन्हे बच्चों ने भी अपनी-अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद अतिथिगण। फोटो : हरिभूमि

साइबर सिक्योरिटी की जानकारी दी

महेंद्रगढ़। राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल ढ़ाढोत में चल रहें पांच दिवसीय स्किल कैंप के तीसरे दिन विद्यार्थियों को साइबर सिक्योरिटी, एआई से संबंधित विभिन्न प्रकार की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में पूर्व कार्यरत एवं कैमिनूकेशन स्कील एक्सपर्ट लालसिंह व अरूण सिंह मुख्यातिथि व अध्यक्षता प्राचार्य अजीत सिंह ने की। गणित प्रवक्ता सतन सिंह ने बताया कि कैंप के तीसरे दिन विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा, एआई सहित ब्लाद, डेकोरेशन, अचार बनाना आदि के बारे में जागरूक किया गया।

टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान को लेकर सरपंचों के साथ की बैठक

मंडी अटेली। प्राथमिक हेल्थ सेंटर सिहमा में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान को लेकर सरपंचों के साथ महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। अध्यक्षता प्रभारी डॉ. राहुल एवं डॉ. कृष्ण गोठवाल द्वारा की गई। बैठक में सरपंचों के साथ प्राथमिक हेल्थ सेंटर सिहमा के अंतर्गत कार्यरत सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों ने भाग लिया। नर्सिंग ऑफिसर अजय ने टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गांव स्तर पर टीबी रोगियों की पहचान समय पर जांच, उपचार की शुरुआत तथा जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन इस अभियान की सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्रभारी डॉ. राहुल ने बताया कि ग्राम पंचायतों को स्वस्थ, समृद्ध व खुशहाल बनाने के लिए जरूरी है कि पहले उन्हें टीबी जैसी गंभीर बीमारियों से मुक्त बनाया जाए। वहीं टीबी की जांच एवं उपचार सभी सरकारी स्वास्थ्य अस्पतालों निःशुल्क उपलब्ध है। ग्राम पंचायतों के सहयोग से ही टीबी जैसी गंभीर बीमारी पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

दिनदहाड़े मकान से जेवरात और डेढ़ लाख रुपये चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शहर के मोहल्ला तिवाड़ियान में चोरों ने दिनदहाड़े एक बंद मकान से सोने, चांदी के जेवरात व करीब डेढ़ लाख रुपये की नकदी पर हाथ साफ कर दिया। चोरी के दौरान परिजन किसी के घर में भोजन करने के लिए बाहर गए थे। जब वह वापिस आए तो चोरी देकर दंग रह गए। पीड़ित ने सिटी पुलिस थाने में शिकायत देकर चोर को पकड़ने की मांग की है। पीड़ित राधेश्याम ने सिटी पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि बीती दो जनवरी को दिन के समय करीब 11 बजे वह अपनी पत्नी के साथ कपिल स्कूल के पास राजू पंडित के घर भोजन करने के लिए गए थे। जब हम करीब डेढ़ घंटे बाद घर वापस आए तो घर का ताला टूटा हुआ और सामान बिखरा हुआ मिला। अलमारी का सामान भी बिखरा हुआ था। जब सामान चेक किया तो 10 ग्राम की सोने की एक चेन, तीन ग्राम की दो अंगूठी व कान की बाली, एक जोड़ी पुरानी पायल, दो चांदी के सिक्के व लगभग एक लाख 50 हजार रुपये अलमारी से गायब मिले। अज्ञात नाम पता नामालूम चोर घर से दिन के समय घुसकर चोरी कर ले गए। पीड़ित ने चोर को पकड़ने की मांग की है। पुलिस ने केस दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने घर में रेड कर पकड़ी अवैध शराब

मंडी अटेली। पुलिस की ओर से चलाए जा रहे विशेष स्पेशल चेकिंग अभियान के तहत गांव बिहाली में अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि बिहाली निवासी मनोज अपने घर पर अवैध शराब बेच रहा है। अटेली थाना के सब इंस्पेक्टर राम लखन सिंह एवं उनकी टीम ने मौके पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान मनोज के घर से 20 देसी शराब की बोतलें एवं 18 अंग्रेजी शराब की बोतलें बरामद की गई।

25 एकड़ की जमीन पर 151 कुंडीय चंडी महायज्ञ व श्रीराम कथा का होगा आयोजन

23 से 30 जनवरी तक नारनौल में होगा संत समागम

- आर्यवर्त सेवा न्यास है आयोजक, तैयारियां जोरों पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

आर्यवर्त सेवा न्यास की ओर से शहर में नजदीक श्रीश्याम मंदिर जौरासी धाम में 23 से 30 जनवरी तक आयोजित होने वाले भव्य आध्यात्मिक अनुष्ठान को लेकर तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं। इस दिव्य आयोजन के अंतर्गत श्रीराम कथा एवं 151 कुण्डीय सहस्त्र चण्डी महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। श्रीराम कथा के लिए व्यास पीठ पर जगतगुरु रामभद्राचार्य होंगे। एक सप्ताह तक चलने वाली श्रीराम कथा के लिए बड़े स्तर पर तैयारियां जोरों पर चल रही हैं।

कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी कपिल भारद्वाज ने बताया कि आर्यवर्त सेवा न्यास के तहत करवाए जा रहे इस धार्मिक अनुष्ठान में शहर की अनेक धार्मिक व सामाजिक संस्थाएं भी सक्रिय सहयोग प्रदान कर रही हैं। इनमें श्रीश्याम मस्ताने परिवार ने श्रद्धालुओं के लिए भोजन व्यवस्था एवं प्रसाद वितरण का दायित्व संभाला है। वहीं, ग्राम जौरासी की ग्राम पंचायत इस आयोजन के लिए 25 एकड़ भूमि उपलब्ध करवाई गई है, जो इस महाआयोजन के प्रति सामूहिक सहभागिता और सहयोग की भावना को दर्शाती है।

नारनौल। 25 एड़क में तैयार हो रहा पंडाल। फोटो : हरिभूमि

25 एकड़ जमीन पर लगेगा पंडाल

श्रीश्याम मंदिर जौरासी में आयोजन स्थल पर करीब 25 एकड़ जमीन पर पंडाल लगाने का काम शुरू कर दिया गया है तो वहीं आयोजन स्थल के चारों ओर बैरिकेडिंग (मास्किंग) का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी कपिल भारद्वाज के मुताबिक महायज्ञ हेतु बनाई जा रही यज्ञशाला का काम भी लगभग पूरा होने को है।

बिना पास प्रवेश नहीं यहां करें पंजीकरण

श्रीराम कथा, कलश यात्रा एवं महायज्ञ में सहभागिता के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण पंजीकरण श्रीश्याम मंदिर जौरासी धाम पहुंच रहे हैं। आपको बता दें कि सीमित स्थान को ध्यान में रखते हुए आयोजन में प्रवेश केवल पंजीकरण एवं वैध पास के माध्यम से ही दिया जाएगा। बिना पास के किसी भी प्रकार का प्रवेश मान्य नहीं होगा। पंजीकरण की सुविधा श्रीश्याम मंदिर जौरासी धाम में उपलब्ध है जोकि पूर्ण रूप से निःशुल्क है। इसके अतिरिक्त श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नारनौल के हुड्डा सेक्टर 1 स्थित श्री चमत्कारी बालाजी मंदिर में भी पंजीकरण किया जा रहा है। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि वे समय रहते पंजीकरण कराएं तथा आयोजन से संबंधित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए इस पावन आध्यात्मिक अनुष्ठान का लाभ प्राप्त करें। श्री रामकथा, 151 कुंडीय सहस्त्र चंडी महायज्ञ एवं कलश यात्रा (23 जनवरी-30 जनवरी 2026) के रजिस्ट्रेशन एवं पास संबंधी किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए वेबसाइट **www.aaryawart.com/ramkatha** पर पंजीकरण करवाएं जोकि पूर्ण रूप से निःशुल्क है।

सुबह के समय जल्द पाला जमने के मिल रहे संकेत

ठंड और कोहरे से कांपा जिला तापमान पहुंचा सामान्य से नीचे

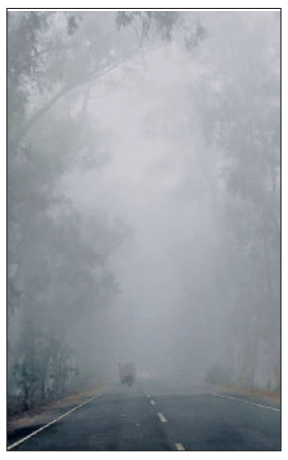

रेवाड़ी। ठंड से बचाव के लिए अलाव तापते लोग तथा रेवाड़ी-महेन्द्रगढ़ रोड पर छाया कोहरा। फोटो : हरिभूमि

- दोपहर बाद तक बादलों के आगोश में रहे सूर्यदेव, कोहरा भी रोकने लगा वाहनों की रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

लंबे इंतजार के बाद नए साल के शुरू में कड़ाके की ठंड ने परेशान करना शुरू कर दिया है। दिन-रात के तापमान सामान्य से नीचे आने के कारण ठंड कंपकंपी छुड़ा रही है। आंशिक बादलों ने ठंड का असर ज्यादा बढ़ा दिया है, जबकि सुबह और शाम के समय कोहरा भी यातायात को प्रभावित कर रहा है। इस समय बारिश की कोई संभावना नहीं है, जिस कारण सूखी ठंड अभी जमकर परेशान करेगी।

शनिवार को सुबह के समय हल्का कोहरा छाया रहा। आसमान में आंशिक बादल छाए रहे, जो दोपहर बाद तक साफ हो गए। अधिकतम तापमान 0.7 डिग्री गिरकर 16.5 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। यह सर्दी का इस सीजन का सबसे कम तापमान है। रात का तापमान 6.0 डिग्री की बड़ी गिरावट के साथ 3.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे सुबह के समय जल्द पाला जमने के संकेत मिल रहे हैं। हवा में नमी का स्तर 90 प्रतिशत तक रहा, जबकि हवा की गति 5 किमी प्रति घंटा ही रही। बीते साल की तुलना में दोनों तापमान कम बने हुए हैं। गत वर्ष 3 जनवरी को अधिकतम तापमान 20.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 6.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। दो दिन पूर्व हल्की बूंदाबांदी के बाद प्रदूषण का स्तर भी सुधरा है। शनिवार को धारूहेड़ा का एक्यूआई 170 दर्ज किया गया, जो अपेक्षाकृत कम रहा। मौसम विभाग के अनुसार कमजोर विक्षोभ की सक्रियता अगले कुछ दिनों में देखने को मिलेगी, जो ठंड का असर और बढ़ाएगी। आने वाले सप्ताह में कोहरे का असर बना रहेगा, परंतु बरसात की अभी कोई संभावना नहीं है। पहाड़ी इलाकों में बर्फीली हवाएं चलने से रात का तापमान अभी और गिरने का अनुमान लगाया जा रहा है।

अब पाला जमने की आशंका बनी

रात का तापमान गिरने के बाद सुबह के समय पाला जमने की आशंका भी बन गई है। अगर तापमान में और गिरावट आती है, तो सुबह के समय जल्द पाला जमना शुरू हो सकता है। इससे किसानों की परेशानी बढ़ जाएगी। सरसों की अगेती फसल में दाना बनना शुरू हो गया है। अगर पाला जमता है, तो इससे फसल का दाना खराब हो सकता है। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को सलाह दी है कि ठंड बढ़ने पर गेहूं और सरसों की नियमित हल्की सिंचाई करनी चाहिए। इससे जमीन का तापमान बढ़ने से खेतों में पाले से बचाव करने में मदद मिलेगी।

बिजली की मांग में होने लगी वृद्धि

ठंड के साथ बिजली की मांग भी बढ़नी शुरू हो गई है। हीटर व सर्दी के अन्य उपकरण चलने से घरेलू बिजली की खपत में वृद्धि हो रही है। कृषि क्षेत्र में पहले ही बिजली की डिमांड बढ़ रही थी। बिजली की दैनिक खपत 80 लाख यूनिट का आंकड़ा पार कर चुकी है। ठंड के साथ इसमें और इजाफा हो सकता है। भारी ठंड पड़ने पर बिजली की खपत आने वाले दिनों में 1 करोड़ यूनिट के पार पहुंच सकती है। अभी खपत बढ़ते ही पीक अवर्स में पावर कट भी लगने शुरू हो गए हैं। आधे घंटे से लेकर 45 मिनट तक के कट लगाए जा रहे हैं।

गर्म कपड़ों के बाजार में आई बहार

कड़ाके की ठंड शुरू होते ही गर्म कपड़ों के बाजार में रौनक लौट आई है। दिसंबर माह में कड़ाके की ठंड की उम्मीद के साथ दुकानदार, रेहड़ी व फड़ लगाने वालों ने अपनी दुकानें गर्म कपड़ों से सजा दी थी। पूरे दिसंबर माह में दिन का तापमान अधिक बना रहा, जिससे बाजार में मंदी का दौर बना रहा। ग्राहकों के इंतजार में दुकानदार खाली बैठे नजर आ रहे थे। अब कड़ाके की ठंड से जैकेट, स्वेटर, टॉप, मफलर व दूसरे गर्म कपड़ों की डिमांड बढ़ गई है, जिससे दुकानदारों के चेहरों पर रौनक लौट आई है।

रेवाड़ी। नवनियुक्त आईएमए अध्यक्ष डा. नीरज यादव का स्वागत करते पूर्व अध्यक्ष डा. दीपक शर्मा तथा नवनियुक्त आईएमए सचिव डा. पूजा अनेजा। फोटो : हरिभूमि

आईएमए रेवाड़ी को मिला महिला नेतृत्व डा. नीरज अध्यक्ष व डा. पूजा बनी सचिव

- आईएमए की पुरानी टीम ने नई कार्यकारिणी को सौंपा कार्यभार
- डा. नीरज यादव बोली, सामाजिक सहभागिता और जन-जागरूकता को दी जाएगी विशेष प्राथमिकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन रेवाड़ी शाखा ने वर्ष-2026 के लिए अपनी नई कार्यकारिणी गठित कर दी है। जिमखाना क्लब में आयोजित कार्यक्रम में आईएमए की पुरानी टीम ने नई कार्यकारिणी को कार्यभार सौंपा। इस बार आईएमए जिला शाखा ने महिला चिकित्सकों को जिम्मेदारी सौंपी है। डा. नीरज यादव को आईएमए रेवाड़ी की अध्यक्ष-2026 के रूप में पदभार सौंपा गया।

समारोह में नई टीम का परिचय भी कराया गया। वहीं डा. पूजा अनेजा को जिला सचिव, डा. मीनाक्षी यादव को कोषाध्यक्ष व डा. कृतिका पांडे को आयोजन सचिव की जिम्मेदारी दी गई।

इसके अलावा डा. शीला यादव और डा. सुषमा क्वात्रा को उपदेशक, डा. नीलम यादव को मुख्य संरक्षक, डा. कविता यादव व डा. सोनिया यादव को संरक्षक, डा. सुमित्रा यादव, डा. अचल सिंगला व डा. तेजस्वी को उपाध्यक्ष का दायित्व दिया गया। वहीं डा. प्रीति यादव, डा. मीनाक्षी यादव, डा. रेखा और डा. मनीषा को संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया।

इस अवसर पर डा. नीरज यादव ने कहा कि वर्ष-2026 में आईएमए का फोकस केवल अकादमिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सामाजिक सहभागिता और जन-जागरूकता को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी।

पहलः रेवाड़ी नाम से नया सामाजिक विंग होगा शुरू

डा. यादव ने बताया कि इस वर्ष आईएमए की ओर से एक नया सामाजिक विंग पहल रेवाड़ी शुरू किया जा रहा है, जिसका संदेश सोच से संकल्प तक है। इस पहल का उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाना, डॉक्टर और मरीज के बीच की दूरी कम करना, विश्वास को मजबूत करना और पारदर्शी व स्पष्ट संवाद स्थापित करना है। डा.पूनम यादव, डा. मित्रा सक्सेना, डा. सरोज मान, डा. तरुणा यादव, डा. किरन यादव, डा. अर्चना यादव, डा. रुचि सक्सेना व डा. प्रियंका गुप्ता ने कहा कि आईएमए चाहती है कि समाज डॉक्टरों को सिर्फ बीमारी के समय नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के साथी के रूप में भी देखे। उन्होंने कहा कि जिला आईएमए इस वर्ष इसी सोच के साथ आगे बढ़ेगा। इस मौके पर नई टीम ने वरिष्ठ चिकित्सकों के मार्गदर्शन में सभी सदस्यों ने कुछ नया और सकारात्मक करने का संकल्प भी लिया। समारोह में आईएमए के वरिष्ठ पदाधिकारी व सभी सदस्य उपस्थित थे।

रेवाड़ी। मुख्यातिथि को स्मृति चिंह भेंट करते प्राचार्य। फोटो : हरिभूमि

एनएसएस छात्रों में संगठन की क्षमता को करता है विकसित : समाजसेवी संदीप

जाटूसाना। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कंवाली में चल रहे कैंप के पांचवें दिन समाजसेवी डहीना संदीप कुमार ने कहा कि एनएसएस छात्रों में लीडरशिप टीम भावना और संगठन की क्षमता को विकसित करता है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना जहां बॉर्डर पर लड़ती है, वहीं एनएसएस समाज की अंदरूनी समस्याओं से लड़ने के लिए युवाओं में समझ विकसित करता है। शनिवार को छात्रों ने नशा मुक्त भारत व्याख्यान व डिबेट भाग लिया। विद्यालय के प्राचार्य अनिल कुमार ने छात्रों को नशे के कारण, नशे के प्रकार, प्रभाव, परिणाम, भ्रांतियां व कानूनी प्रावधानों से अवगत कराया। इस अवसर पर संदीप सिंह ने विद्यालय को 11000 रुपये की सहयोग राशि भेंट की। इस मौके पर विद्यालय एनएसएस प्रभारी प्रदीप कुमार, मिथिलेश कुमारी, रामसिंह, श्रीभगवान, सोनू पीटीआई, विजेंद्र बाबू, उपनिष, जीतू व रमेश देवी उपस्थित थे।

दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना का हुआ विस्तार,

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक और निर्णायक कदम उठाते हुए दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के दायरे का विस्तार कर दिया है। योजना के विस्तार से अधिक महिलाओं को लाभ मिलेगा, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का सशक्त माध्यम प्राप्त होगा। डीसी अभिषेक मीणा नेबताया कि दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना का विस्तार करते हुए तीन नई श्रेणियों को जोड़ा है। इन श्रेणियों के लिए पारिवारिक आय 1 लाख 80 हजार रुपए से कम होनी चाहिए और यह लाभ केवल 3 बच्चों तक ही मिलेगा। डीसी ने बताया कि योजना के मानदंड अनुसार एक लाख रुपए सालाना पारिवारिक आय वाली महिलाओं को पहले की तरह योजना का लाभ मिलता रहेगा। किसी भी पात्र महिला का मौजूदा लाभ न तो रोका गया है और न ही समाप्त किया गया है। 2100 रुपये की सहायता पहले की तरह मिलती रहेगी।

पहली श्रेणी-जिन परिवारों की सालाना आय 1 लाख 80 हजार रुपए से कम है, ऐसे परिवारों के बच्चे जो सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे हैं, वे 10वीं और 12वीं कक्षा में 80 प्रतिशत से ज्यादा नंबर लेकर आते है, ऐसी माताओं को भी अब 2100 रुपए प्रति माह का लाभ मिलेगा।

दूसरी श्रेणी-जिन परिवारों की सालाना आय 1 लाख 80 हजार रुपए से कम है, ऐसे परिवारों के बच्चे भारत सरकार के निपुण मिशन के तहत कक्षा- 1 से 4 तक ग्रेड लेवल प्रोफिशिएंसी प्राप्त करते हैं, तो ऐसी माताओं को भी इस योजना का लाभ मिलेगा।

तीसरी श्रेणी-पोषण ट्रैकर में कोई बच्चा जो कुपोषित या एनीमिया से ग्रस्त था और माताओं के अथक प्रयास के बाद वह पोषित और स्वस्थ होकर ग्रीन जोन में आ जाता है, तो ऐसी माताओं को भी 2100 रुपए का लाभ प्रदान किया जाएगा। इस श्रेणी के लिए परिवारिक सालाना आय 1 लाख 80 हजार रुपए से कम होनी चाहिए।

भविष्य की जरूरतों को देखते हुए उठाया कदम

डीसी मीणा ने बताया कि दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के अंतर्गत वर्तमान में जो 2100 रुपए की राशि महिलाओं के खातों में जा रही है, अब इस राशि में से 1100 रुपए सीधे महिलाओं के खातों में जमा होंगे। जबकि शेष 1000 रुपए राज्य सरकार रेकरिंग डिपॉजिट-फिक्स्ड डिपॉजिट कराएगी। इस डिपॉजिट का पैसा ब्याज सहित लाभार्थी महिला को मिलेगा। इतना ही नहीं, लाभार्थी की असामयिक मृत्यु पर उसके नॉमिनी को यह राशि तुरंत प्रदान की जाएगी।

रेवाड़ी। सावित्रीबाई फुले को नमन करते समिति सदस्य। फोटो : हरिभूमि

मेघवाल उत्थान समिति ने मनाई सावित्रीबाई फुले की जयंती

रेवाड़ी। मेघवाल उत्थान समिति की ओर से शनिवार को माता सावित्रीबाई फुले की 195वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर समिति के सलाहकार व पूर्व सरपंच सावंत सिंह ने कहा कि सावित्रीबाई फुले शिक्षा की देवी के रूप में विख्यात हैं। उन्होंने भारत में प्रथम बालिका विद्यालय की स्थापना की, उस युग में जब बालिकाओं की शिक्षा के बारे में कोई सोच भी नहीं सकता था। उनका यह योगदान आज भी महिलाओं एवं वंचित वर्गों के लिए प्रेरणा स्रोत बना हुआ है।कार्यक्रम में प्रिंसिपल सूरजभान मेघवाल प्रधान, परमेश्वर दयाल मैनेजर व प्रभारी ब्लॉक बावल, सूबेदार रमेशचंद्र प्रधान ब्लॉक बावल,महेंद्र सिंह झाझरिया प्रभारी रेवाड़ी, अशोक मेघवाल सह-सचिव, हीरासिंह वैद्य मीडिया प्रभारी ब्लॉक बावल, तेजपाल मेघवाल व फतेह सिंह सहित समिति के सदस्य मौजूद थे।

सैनी सभा ने सावित्रीबाई फुले का जन्मदिवस श्रद्धा से मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सैनी पब्लिक स्कूल में भारत की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले के 195वें जन्मदिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सैनी महासभा हरियाणा प्रदेश के उपाध्यक्ष चेतराम सैनी व महासचिव एडवोकेट धर्मेंद्र सैनी ने सावित्रीबाई फुले के जीवन और कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई फुले न केवल भारत की पहली महिला अध्यापिका बनीं, बल्कि उन्होंने बालिकाओं और समाज के वंचित वर्गों को शिक्षा से जोड़ने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। कार्यक्रम में सैनी सभा के प्रधान मनोज सैनी, उपप्रधान राम सिंह सैनी, सह सचिव सुंदरलाल सैनी, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण सैनी, कार्यकारिणी सदस्य सतीश सैनी, कॉलेजियम सदस्य सुभाष सैनी, ओम प्रकाश सैनी, अशोक सैनी, ओमप्रकाश सैनी, राजकुमार सैनी, एडवोकेट अमित कुमार, प्रकाश सैनी, गोकल चंद सैनी व पार्षद सुरेश सैनी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

विद्यालय की प्राचार्या अनीता यादव ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने सामाजिक कुरीतियों के बावजूद स्त्री शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए संघर्ष किया और समाज को नई दिशा दी।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद सैनी सभा के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

समाज के लोगों से सामाजिक, धार्मिक और राष्ट्रभक्ति के कार्यों से जुड़ने का आह्वान

रेवाड़ी। भगवान परशुराम शिक्षा समिति परिसर स्थल बूढ़पुर में शनिवार को पूर्णिमा के अवसर पर हवन का आयोजन किया गया। समिति के अध्यक्ष सत्यप्रकाश गौतम ने सभी आजीवन सदस्यों, संरक्षण सदस्यों एवं कार्यकारिणी सदस्यों की ओर से समाज के सभी लोगों को नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक, धार्मिक और राष्ट्रभक्ति के कार्यों से जुड़ने का आह्वान किया। मुख्य यजमान के रूप में मेजर राजकुमार यादव और तेजभान कुकरेजा थे। आचार्य विशाल शास्त्री ने हवन संपन्न कराया। संस्था के महासचिव अजय शर्मा एडवोकेट ने बीते वर्ष के कार्यों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही समिति परिसर में यज्ञशाला का निर्माण किया जाएगा ताकि धर्म संस्कृति के कार्यों को आगे बढ़ाया जा सके। संस्था की महिला प्रमुख दीपा भारद्वाज ने कहा कि सभी महिलाओं व संस्था के सदस्यों की राष्ट्र निर्माण व संस्कृति के कार्यों में भागीदारी जरूरी है। इस अवसर पर संस्था के कोषाध्यक्ष जगदीश राय वशिष्ठ, पूर्व कोषाध्यक्ष शिवकुमार हरित, हिमालय परिवार के प्रांत अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण शर्मा, प्रांतमंत्री पुनीत वशिष्ठ, प्रांत संयोजक तेजभान कुकरेजा, आजीवन सदस्य वासुदेव वशिष्ठ, बबरू भान यादव व अर्पित उपस्थित थे।

देश को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास करें युवा : सत्यवीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

शहीद जीतराम राजकीय माडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नाहड़ में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में स्वयंसेवकों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी आत्मनिर्भर भारत योजना को लेकर व्याख्यान का आयोजन किया गया। महेन्द्रगढ़ आईटीआई से व्यवसाय अनुदेशक सत्यवीर सिह ने कहा कि युवा पीढी को देश को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास करना चाहिए। आज देश बहुत सी सामान्य उपयोग की वस्तुओं के लिए विदेशी सामान पर निर्भर है। युवाओं को पढ़ लिखकर अपना व्यापार व उद्योग खड़ा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज जितने भी बड़े उद्योगपति हैं, सभी छोटे लेवल से बड़े लेवल तक बढ़े हैं।

इसलिए युवाओं को स्वयं के उद्यम शुरू करने चाहिए। इससे स्वयं का रोजगार तो विकसित होगा ही, दूसरों को भी रोजगार उपलब्ध करा सकेंगे। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी संजय यादव ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मौलिक मुख्य अध्यापक वेदपाल, प्रवक्ता नरेन्द्र कुमार, प्रमिला देवी, सोमवीर यादव, पवन कुमार, कुलदीप कुमार, मनीष व अजय मौजूद थे।

रेवाड़ी। स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए अनुदेशक। फोटो : हरिभूमि

कार्यक्रम जिला, ब्लॉक, ग्राम व संस्था स्तर पर आयोजित होंगे कार्यक्रम

स्वामी विवेकानंद जयंती से एक माह तक चलेगा सूर्य नमस्कार अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा योग आयोग की ओर से आगामी सूर्य नमस्कार अभियान-2026 के आयोजन को लेकर राज्य स्तरीय ऑनलाइन ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डा. जयदीप आर्य ने की। कार्यक्रम में सूर्य नमस्कार अभियान की रूपरेखा, कार्ययोजना, एसओपी, पंजीकरण प्रक्रिया व विभागीय समन्वय के संबंध में जिला आयुर्वेदिक अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए तथा उन्हे जिला स्तर पर नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा योग आयोग के उपाध्यक्ष डा. रोशनलाल, रजिस्ट्रार डा. राजकुमार, जिला योग समन्वयक व योग विशेषज्ञ भी उपस्थित थे।

रेवाड़ी। सूर्य नमस्कार अभियान को लेकर वर्चुअल जानकारी लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

खुशहाल बनाना उद्देश्य

इस मौके पर डा. जयदीप आर्य ने कहा कि सूर्य नमस्कार अभियान हरियाणा योग आयोग का फ्लैगशिप कार्यक्रम एवं महत्त्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य योग को जन-जन तक पहुंचाकर हरियाणा को स्वस्थ, सशक्त एवं खुशहाल बनाना है। उन्होंने बताया कि यह अभियान 12 जनवरी स्वामी विवेकानंद जयंती से 12 फरवरी महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती तक पूरे राज्य में जिला, ब्लॉक, ग्राम व संस्थागत स्तर पर संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम में सूर्य नमस्कार अभियान-2026 की वेबसाइट का अनावरण भी किया गया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 4 जनवरी 2026

बीते गुरुवार ही नया वर्ष 2026 आरंभ हुआ है। हम सभी की इस बात को लेकर बहुत उत्सुकता है कि इस साल विभिन्न क्षेत्रों में क्या कुछ नया होने वाला है? हमारी लाइफस्टाइल में क्या बदलाव देखने को मिलेंगे? यहां विस्तार से बताया जा रहा है कि इस साल हमारे डेली रूटीन, वर्क कल्चर, डाइट हैबिट, हेल्थ अवेयरनेस और टेक्नोलाइफ में क्या नया होने वाला है?

कवर स्टोरी

संध्या सिंह

इस साल हमारी लाइफस्टाइल होगी हेल्दी-बैलेंस्ड-टेंशनफ्री

साल 2026 की लाइफस्टाइल में जीवन जीने के तरीके में गहरे बदलाव साफतौर पर देखने को मिलेंगे। ये बदलाव सिर्फ सतही फैशन या ट्रेंड के स्तर पर नहीं होंगे बल्कि हमारी सोच, प्राथमिकताओं और जीवन दर्शन के स्तर पर भी दिखेंगे। एक वाक्य में कहा जाए, तो साल 2026 तेज रफ्तार जीवनशैली का नहीं बल्कि संतुलित जीवनशैली का साल होने जा रहा है। आइए क्रमबद्ध ढंग से देखें कि ये बदलाव किस तरह के होंगे।

'ज्यादा' नहीं 'जरूरी' पर होगा फोकस

इस साल लोग ज्यादा चीजों और उपलब्धियों की तरफ न भागकर, जीवन में जरूरी यानी वास्तविक जरूरतों की तरफ फोकस करेंगे। व्यावहारिक तौर पर यह जीवनशैली हमें कम सामान, कम दिखावा और कम चीजों में खुश रहना सिखाएगी। हालांकि इसकी वजह सिर्फ सोच में परिवर्तन नहीं है। इस तरफ बढ़ने की और भी कई वजहें हैं। मसलन, बेतहाशा बढ़ती महंगाई का दबाव, जलवायु संकट, मानसिक थकान और अनिश्चित भविष्य। लब्बोलुआब यह कि इस साल मिनिमलिज्म को अधिकतर लोग अपनाएंगे। लेकिन ऐसा करना मजबूरी नहीं, हमारी समझदारी की वजह से भी होगी।

हेल्थ के प्रति बढ़ेगी अवेयरनेस

कई आंकड़े बताते हैं कि भारतीय लोग, दुनिया में सबसे ज्यादा दवाएं खाते हैं। एंटीबायोटिक दवाएं खाने को तो बहुत सामान्य माना जाने लगा है। दरअसल, हम में से अधिकतर लोग स्वास्थ्य के प्रति सजग नहीं बल्कि ज्यादा चिंतित रहते हैं। लेकिन इस साल हमारी इस सोच में भी बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल भारतीय अपने स्वास्थ्य के लिए दवा से ज्यादा दिनचर्या के बदलाव पर जोर देंगे। अच्छी नींद, तनाव से मुक्ति, बेहतर भोजन और भावनात्मक संतुलन पर इस साल हम भारतीय पिछले किसी साल के मुकाबले ज्यादा सहज और सजग रहेंगे, क्योंकि हमारी लाइफस्टाइल में जो तेजी और मारामारी बीते वर्षों में शामिल हुई है, उसके चलते 30 से 40 की उम्र में ही बड़े पैमाने पर भारतीयों में हेल्थ संबंधी समस्याएं देखने को मिल रही हैं। ज्यादातर समय चिंतित रहने के कारण आज 30 से 40 की उम्र में ही बहुत बड़े पैमाने पर भारतीय लोग लाइफस्टाइल डिजीज से पीड़ित हो रहे हैं। कोविड के बाद भारतीयों में बीमारी के प्रति डर और स्वास्थ्य के प्रति चेतना में बढ़ोत्तरी हुई है, जिसका परिणाम यह हुआ है कि अब लोग आयुर्वेद और वेलनेस की ओर आकर्षित हो रहे हैं। यानी पिछले वर्षों में लोगों में रेग्युलर हेल्थ चेकअप, कंसल्टेशन और डाइट कॉन्शसनेस बढ़ी है, उसमें इस साल और इजाफा होगा।

कामयाबी की बदलेगी परिभाषा

आज की तारीख में हम अच्छी नौकरी और ज्यादा से ज्यादा कमाई को अपनी सफलता का पैमाना मानते हैं। लेकिन इस साल हमारी यह सोच भी थोड़ी बदलेगी। इस साल हम कामयाबी यानी अच्छी नौकरी और ज्यादा पैसे के मुकाबले मानसिक शांति को ज्यादा महत्वपूर्ण समझेंगे। इस साल हम समय की कीमत को, कमाई से ज्यादा महत्व देने वाले हैं और फैशन या दिखावे की तुलना में स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ेगी। मतलब साफ है कि इस साल हम अर्थपूर्ण ढंग से काम करेंगे और इसकी वजह यह होगी कि एआई और ऑटोमेशन ने नौकरी की स्थिरता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। कोई भी सुरक्षित नहीं है। एआई के इस युग में किसी की भी नौकरी अचानक जा सकती है। युवा पीढ़ी ने पिछले कुछ सालों में महसूस किया है कि सब कुछ पाने के बाद भी एक खालीपन बना रहता है। इसलिए सब कुछ पाना अब कामयाबी की आखिरी परिभाषा नहीं होगी। जरूरत भर की इनकम में भी अपनों के साथ और प्रकृति के करीब जीवन गुजारने की दिशा में हम आगे बढ़ेंगे।

बदलेगा वर्क कल्चर

वर्क कल्चर की दिशा में इस साल सबसे ज्यादा बदलाव देखने को मिलेगा। अब हमारे रूटीन जीवन पर हमारा प्रोफेशनल वर्क हावी नहीं रहेगा। अब जीवन पर काम का इतना दबाव नहीं होगा कि सिर्फ काम ही काम जिंदगी की प्राथमिकता रहे। अब काम और जीवन में एक व्यापक और समानुपातिक बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल जो ट्रेंड सबसे ज्यादा दिखने वाले हैं, उनका रिश्ता भी जीवन और काम से सीधे-सीधे जुड़ता है। मसलन, हाइब्रिड जॉब कल्चर। इस साल सबसे ज्यादा हाइब्रिड जॉब कल्चर के प्रति यंगस्टर्स का झुकाव देखने को मिलेगा। फ्रीलांस वर्क अब नए सिरे से प्रतिष्ठित हो रही गतिविधि है। पहले इसे लोग मजबूरी समझते थे लेकिन अब इसे अपने मन की मर्जी और और पसंद समझा जाने लगा है। इस साल अपनी इच्छा से करियर में ब्रेक को सामाजिक स्वीकृति मिलेगी। अब तक करियर ब्रेक को असफलता के रूप में दर्ज किया जाता था। और इस साल जो देश में लाइफस्टाइल के क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे, वह सबसे ज्यादा जीवंत इस तथ्य से होगा कि अब हाई प्रोफेशनल पहचान वाले लोग सिर्फ मेट्रोज में ही नहीं बल्कि छोटे शहरों और दक्षिण भारत के तो गांवों में भी मिलेंगे।

टेक्नोलॉजी का बैलेंस्ड इस्तेमाल

हाल के सालों में टेक्नोलॉजी ने जिस तरह से हर खास और आम लोगों के जीवन में दखल बढ़ाया है, उसके कुछ साइड इफेक्ट्स भी दिखते रहे हैं। अच्छी बात है कि लोगों में इसके प्रति भी अवेयरनेस बढ़ी है। अब टेक्नोलॉजी से लोगों का एडिक्शन कम होना शुरू हो गया है। इस साल अनुमान है कि भारतीय लोग बीते कुछ सालों के मुकाबले कम फोन करेंगे और सोशल मीडिया पर भी कम से कम समय जाया होने देंगे। सोशल मीडिया से दूरी इस साल काफी ज्यादा बढ़ेगी और डिजिटल डिटॉक्स हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का सबसे जरूरी और सहज ढंग बन जाएगा। वास्तव में इस बदलाव का प्रमुख कारण होगा बड़े पैमाने पर भारतीयों में डिजिटल थकान बढ़ने लगी है और आपा-धापी में मन और तन दोनो की एकाग्रता में भारी कमी आई है। इसलिए इस साल बड़े पैमाने पर भारतीय लोग डिजिटल थकान से बचने पर ध्यान देंगे और रिश्तों में बढ़ रही दूरियों को कम करने की कोशिश करेंगे।

इसी तरह इस साल हमें अपने लाइफस्टाइल में रिश्तों की एक नई संस्कृति, खान-पान में स्वास्थ्य के प्रति चेतनता बढ़ी हुई दिखेगी। हर समय काम में डूबे रहने की जगह अपनी रुचि, अपने परिवार और हेल्थ के लिए भी समय निकालेंगे। निश्चित ही ये बदलाव हम सभी के जीवन में सकारात्मक दिशा में बढ़ने में मददगार साबित होंगे। *

साइंस-टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में इस वर्ष खुलेंगे नए आयाम

नया वर्ष 2026 भारत के लिए विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्रों में प्रगति और चुनौतियों के साथ परिवर्तनकारी संभावनाओं को लेकर आया है। इस साल साइंस और टेक्नोलॉजी में किस तरह के बदलाव दिखेंगे, क्या कुछ दिखेगा नया और अभूतपूर्व, आगामी दिनों की संभावनाओं पर एक नजर।

साइंस-टेक 2026

संजय श्रीवास्तव

नया साल भारत के विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाओं को लेकर आया है। अगर सही नीति के तहत निश्चित कार्य योजना बनाकर आगे बढ़ा गया तो देश का 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और वैश्विक टॉप श्री सुपरपावर्स में शामिल होने का सपना जरूर पूरा होगा। बेशक, इस मार्ग में चुनौतियां कम नहीं हैं, पर हम इस वर्ष से सस्ते हरित ऊर्जा, तेज इंटरनेट, सुरक्षित साइबर स्पेस, रक्षा आत्मनिर्भरता से मजबूत होती सुरक्षा, पर्यावरण सुधार, शुद्ध पेयजल के साथ समृद्ध कृषि की आशा रख सकते हैं। सरकार, उद्योग और नागरिकों का समेकित प्रयास इस लक्ष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।

डीपटेक में होगी प्रगतिः इस साल डीपटेक सबसे बड़ी संभावना वाला क्षेत्र बनकर उभरेगा। अनुमान है कि आने वाले समय में एक लाख स्टार्टअप्स में से 20 प्रतिशत डीपटेक, खासकर क्वांटम, बायोटेक पर केंद्रित होंगे। इस क्षेत्र में निवेश 2025 के 50 बिलियन डॉलर से बढ़कर 70 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। सेमीकंडक्टर मैन्युफेक्चरिंग व डिजाइन में प्रोत्साहन योजनाओं, एआई मिशन और विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग के विस्तार से रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक मजबूती मिलेगी। सेमीकंडक्टर डिजाइन में भारत की प्रतिभा वैश्विक कंपनियों को भा रही है, सो इस साल इस क्षेत्र में घरेलू स्टार्टअप्स के उभरने की पूरी संभावना है।

नए आसमान छुएगा इसरोः इसरो बीते सालों की तरह ही इस साल भी अपनी उपलब्धियों की वजह से खबरों में छाया रहेगा। स्वदेशी इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन प्रणाली के प्रदर्शन, इंडो-मॉरीशस संयुक्त उपग्रह और ध्रुव स्पेस का लीप-2 उपग्रह भेजने के साथ गगनयान परियोजना का पहले मानवरहित मिशन समेत तकरीबन दर्जन भर महत्वपूर्ण प्रक्षेपण उसकी कार्य सूची में हैं। इसकी कम लागत नवाचार, उपग्रह संचार और पृथ्वी-अवलोकन सेवाएं कृषि, आपदा प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स में बड़े बदलाव लाएंगी। रडार सिस्टम, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, प्रिसिजन इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस मैपिंग तकनीक की दुनियाभर में मांग बढ़ रही है। इन सेक्टर में छोटे-छोटे स्मॉलकैप कंपनियों की बढ़ती भूमिका के तहत 2026 तक स्पेस टेक्नोलॉजी से कमाई की तस्वीर बदलेगी।

डिफेंस सेक्टर में होंगे मजबूतः डीआरडीओ और निजी उद्योग की भागीदारी रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण की गति को बढ़ाएगी तो स्वदेशी हथियार प्रणालियों, ड्रोन, एआई-डिफेंस और साइबर क्षमताओं में नई उपलब्धियां हासिल होंगी। हाइपरसोनिक हथियार, उन्नत लड़ाकू विमान, अग्नि-6 मिसाइल परीक्षण, सुखोई 30 को तेजस एमके-2 से बदलना और डीआरडीओ के एआई-संचालित ड्रोन सेल्फ अरमाडा परियोजना चर्चा में होंगे, तो आईडेक्स की फंडिंग से तकनीकी स्टार्टअप्स फलेंगे-फूलेंगे। इस बरस डीप ओशन मिशन के तहत विकसित मत्स्य 6000 पनडुब्बी, जो 6000 मीटर की गहराई तक, तीन वैज्ञानिकों को ले जाएगी। यह समुद्री संसाधन, खनिज खोज और वैज्ञानिक अनुसंधान तथा निगरानी के लिए अहम साबित होगी।

बढ़ेंगे 5जी यूजर्सः संसार के दूसरे सबसे बड़े दूरसंचार बाजार में 5जी उपभोक्ता इस वर्ष करीब 330 मिलियन हो जाएंगे। सैटेलाइट इंटरनेट से संचार क्षेत्र में आई क्रांति का एजुकेशन, टेलीमेडिसिन, ग्रामीण कनेक्टिविटी पर प्रभाव दिखेगा। 2026 में भारतनेट के विस्तार से जब गांवों में 100 एमबीपीएस स्पीड वाली कनेक्टिविटी 50 फीसदी तक पहुंचेगी, डिजिटल साक्षरता अभियान के तहत 5 लाख डिजिटल साक्षरता केंद्र खुलेंगे। 6जी पर अनुसंधान भी तेज होगा, इसका असर 2026 में पायलट टेस्ट, पेटेंट और वैश्विक साझेदारियों के रूप में दिखेगा।

ग्रीन एनर्जी का बढ़ेगा यूजः इस साल ग्रीन एनर्जी की फील्ड में स्टार्टअप्स नई उम्मीदें जगाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत 5 मिलियन टन उत्पादन लक्ष्य से ऊर्जा स्वायत्तता मिलेगी। लाइफ मिशन से वन कवर 33 प्रतिशत के करीब पहुंच सकता है। पर्यावरण में हरित हाइड्रोजन, ईवी बैटरी रीसाइक्लिंग और प्रदूषण-नियंत्रण तकनीक शहरों के लिए जीवनरेखा बन सकती हैं। सरकार ऊर्जा-कुशल चिप्स, सस्टेनेबल क्लाउड और एआई-संचालित जलवायु समाधानों में निवेश बढ़ाएगी। प्रदूषण नियंत्रण, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और जल संरक्षण पर नई योजनाओं की उम्मीद है। पर्यावरण में कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग एक्सचेंज शुरू होगा और कृषि में 'रीइमेजिनिंग एग्रीकल्चर' रोडमैप। कृषि में एग्री-टेक, एआई डिजिटल ट्विन्स, ड्रोन स्प्रे, सेंसर, प्रिसिजन फार्मिंग, जलवायु-प्रतिरोधी बीजों से उत्पादकता 20 प्रतिशत बढ़ेगी तो किसानों की आय भी बढ़ेगी। *

दोहे

गोविंद भारद्वाज

मिलते पुष्पाहार

धन-दौलत के मोह से, दूर रहो सब यार।
शुद्ध भाव से नित करो, अपना सब व्यापार।।

गीता पढ़ना ज्ञान की, होगा जीवन पार।
फिर जीत मिलेगी सदा, दूर रहेगी हार।।

देश निकाला दीजिए, आए सीमा पार।
फूल नहीं वो देश के, बने हुए हैं खार।।

बात करो बस प्यार से, नेक रहे व्यवहार।
मेल मिलाप रहे सदा, जीवन का आधार।।

सत्य-अहिंसा से मिले, जीव-जगत को प्यार।
सन्मार्ग पर यदि चलें, सुखी रहे संसार।।

सत्य वचन पर हों अडिग, झुक जाएं हथियार।
तोप-तमंचे फेल फिर, मिलते पुष्पाहार।।

लघुकथाएं

पेट का स्वाभिमान

अपनी थाली देखकर रम्मू ने पत्नी रमिया से पूछा, 'रोटियां तो पांच ही हैं, तो तुम इतनी बड़ी थाली में क्यों परोसती हो?'

'थाली बड़ी नहीं है, रोटियां छोटी हो गई हैं। महंगाई बढ़ती जा रही है पर आमदनी नहीं। ऐसे में रोटी तो छोटी होती ही जाएगी।' रमिया ने मायूस होकर कहा।

'मेरे पास इस समस्या का एक हल है। कल से छोटी थाली में रोटी परोसना।' रम्मू ने सुझाव दिया।

'तुम्हें छोटी थाली में परोस तो दूंगी, लेकिन समस्या यह है कि हमारे पास दो ही थालियां हैं। तुम्हारी जूठी थाली में मैं खा लेती हूं। छोटू अपनी थाली में खाता है। वह तो इतनी छोटी है कि उसमें तुम्हारी ये रोटियां भी नहीं आ सकती हैं।' रमिया ने बताया।

'तो हमें सोचना पड़ेगा कि ऐसा क्या करें, जिससे हमारी रोटियां बड़ी हो सकें।'

रम्मू और रमिया लेटे-लेटे इस गंभीर समस्या पर विचार करते रहे। रात भर उनके दिमाग में रोटियां घूमती रहीं। सुबह-सुबह आंख लगी तो दोनों ने एक ही सपना देखा। कोई उन्हें बड़ी-बड़ी रोटियां दे रहा है, किंतु फेंक-फेंककर।

दोनों हड़बड़ाकर उठ बैठे। एक-दूसरे को अपने सपने के बारे में बताया। फिर दोनों ने एक राय से निश्चय किया। 'हम भीख किसी भी स्थिति में नहीं मांगेंगे। पेट का भी स्वाभिमान होता है। रोटियां बड़ी करनी हैं तो अब हम दोनों ज्यादा से ज्यादा मेहनत करेंगे।' *

-बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

सच्ची साधना

काफी पुरानी बात है। किसी वन में स्थित एक आश्रम में एक गुरु अपने दो शिष्य मोहनदास और चैतन्यदास के साथ रहते और साधना करते थे। मोहनदास स्वभाव से अहंकारी था, इसलिए गुरुजी को हमेशा अपनी साधना को सच्ची बताया करता था। चैतन्यदास, मोहनदास की बातों पर ध्यान न देते हुए अपनी साधना में लीन रहता था।

एक दिन गुरुजी ने मोहनदास का अहंकार दूर करने की सोची। उन्होंने दोनों शिष्यों को बुलाकर कहा, 'जाओ घने जंगल में जाकर कुछ दिन एकांत में साधना करो। मैं स्वयं आकर देखूंगा कि किस शिष्य की साधना सच्ची है?'

दोनों शिष्य घने जंगल में पहुंचे। अत्यंत सर्द मौसम था। ठंड से बचने के लिए दोनों ने अलाव जलाया और उसके निकट ही बैठकर साधना करने लगे। कुछ ही देर में अचानक 'बचाओ..बचाओ..' की आवाज सुनाई पड़ी। यह सुनकर चैतन्यदास अलाव में से एक जलती लकड़ी लेकर आवाज आने की दिशा में दौड़ा। उसने देखा कि एक भालू किसी बुजुर्ग महिला पर हमला करने वाला है। चैतन्यदास ने जलती लकड़ी से भालू को भगाया और महिला का जीवन बचा लिया। उसने पूछा, 'मां आप इतनी ठंड में घने जंगल में क्या कर रही हैं?'

'बेटा, मैं कई वर्षों से इस जंगल से लकड़ी बीन कर अपने घर की रसोई में खाना बनाती हूं। आज न जाने यह भालू कहां से आ गया?' महिला ने बताया।

'मां, पहाड़ी पर बर्फबारी होने के कारण भालू नीचे जंगल में आ गया होगा। आगे आप संभलकर ही इस घने जंगल में आना। चलिए, आपको मैं घर तक छोड़ देता हूं।' चैतन्यदास बोला।

उधर गुरुजी साधना स्थल पर पहुंचे और पूछा, 'अरे! मोहनदास, चैतन्यदास कहां चला गया?'

'गुरुजी, मैं यहां हूं।' कहते हुए चैतन्यदास गुरुजी के पास पहुंचा। उसे देखकर मोहनदास बोला, 'अब तो आपको समझ में आ ही गया होगा कि चैतन्यदास तो साधना छोड़कर कहीं चला गया लेकिन मैं कहीं नहीं गया। इसलिए मेरी साधना ही सच्ची है।' गुरुजी ने चैतन्यदास से पूछा, 'तुम कहां गए थे?' चैतन्यदास ने पूरी घटना के बारे में बता दिया। इस पर मोहनदास ने पूछा, 'अब आप ही बताइए गुरुजी, किसकी साधना सच्ची है?'

गुरुजी ने कहा, 'सच्ची साधना वही होती है, जिसमें मानवता हो। तपस्या तो बाद में भी की जा सकती है, लेकिन किसी का जीवन बचाना ही सच्ची साधना है। इसलिए चैतन्यदास की साधना ही सच्ची साधना है।'

यह सुनकर मोहनदास का सिर शर्म से झुक गया। *

-चंद्रप्रकाश डाले

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

शताब्दी स्मरण : अमरकांत

कुछ समय पूर्व प्रसिद्ध साहित्यकार अमरकांत के जन्मशती के अवसर पर 'बनास जन' का 'शताब्दी स्मरण : अमरकांत' विशेषांक छपकर आया है। इसमें अमरकांत की बहुआयामी साहित्यिक छवियों पर विस्तार से चर्चा की गई है। इस समृद्ध अंक के अलग-अलग खंडों में उनके विभिन्न साहित्यिक पक्षों पर प्रकाश डाला गया है।

'स्मृतियों में अमरकांत' खंड में ममता कालिया, हरीश पांडे और मनोज कुमार पांडे ने उनसे जुड़ी स्मृतियों को मार्मिकता से संजोया है।

'लेखकों के लेखक' शीर्षक संस्मरणात्मक लेख में ममता कालिया ने कुछ प्रसंगों के जरिए अमरकांत जी के स्वाभिमानी रचनाकार की छवि को प्रकट किया है। प्रेमचंद के बारे में अप्रिय टिप्पणी करने पर अमरकांत जी, 'मनोरमा' के मालिक-संपादक आलोक मित्र से यह कहने से नहीं हिचके, 'प्रेमचंद सर्वहारा के पक्षधर रचनाकार थे। आप लोग भूख और गरीबी बेचते हैं। प्रेमचंद ऐसे विक्रेता नहीं थे।' जबकि उन दिनों वे उसी पत्रिका में संयुक्त संपादक के पद पर कार्य कर रहे थे।

'कुछ पते कुछ चिट्ठियां' खंड में अमरकांत जी द्वारा लिखे गए कुछ पत्रों को संकलित किया गया है। इन्हें पढ़ते हुए उनके भीतर मौजूद एक अत्यंत भावुक रचनाकार की छवि प्रकट होती है। यहां अमरकांत जी के सभी उपन्यासों और कथा संग्रहों पर कई समीक्षकों के विवेचनात्मक लेख भी पढ़े जा सकते हैं। इनसे गुजरते हुए अमरकांत जी की कथादृष्टि का विस्तार और मानवीय संवेदना की गहनता को महसूस किया जा सकता है। उनके कथा संग्रह 'कुहासा' पर उमाशंकर चौधरी की यह टिप्पणी देखी जा सकती है, जिसमें वह कहते हैं, 'अमरकांत के यहां पात्रों के संघर्ष का विश्वसनीय चित्रण है। वे अपने समय की समस्याओं को भी पकड़ते हैं और विडंबनाओं को भी।' कहने की जरूरत नहीं कि यह अंक पठनीय ही नहीं संग्रहणीय भी है। *

पत्रिका : बनास जन-82 (शताब्दी स्मरण : अमरकांत), संपादकः पल्लव, मूल्यः 200 रुपए

इंडोनेशिया

अगर आपको पर्यटन का शौक है और आप देश-विदेश के चुनिंदा लोकेशंस को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो आपको अलग-अलग देशों में स्थित इन पांच टूरिस्ट प्लेसेस की सैर जरूर करनी चाहिए। इन विश्व प्रसिद्ध टूरिस्ट डेस्टिनेशंस की खासियतों को खुद के अनुभव से लेखक साझा कर रहे हैं अपनी जुबानी।

टूरिज्म
समीर चौधरी

5 फैमिली के संग घूम आइए अमेजिंग टूरिस्ट डेस्टिनेशंस

अब तक मैं 125 से अधिक देशों की यात्रा कर चुका हूं और इस अनुभव से मेरा यकीन पुख्ता हुआ है कि दुनिया को समझने का सबसे विश्वसनीय रास्ता पर्यटन ही है। अपने तजुर्बे की रोशनी में मेरा सुझाव है कि अगर आप इस साल विदेश यात्रा की योजना बना रहे हैं तो इन पांच टूरिस्ट प्लेसेस को प्राथमिकता दे सकते हैं, क्योंकि इन स्थलों पर प्रकृति, संस्कृति और परिवर्तनीय अनुभवों को वास्तव में महसूस किया जा सकता है।

दक्षिण अफ्रीका में क्रुगर नेशनल पार्क

मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट

फिजी

फिनिक्स पार्क डबलिन सिटी सेंटर

इंडोनेशिया मिलेंगे विविधरंगी अनुभवः इंडोनेशिया दुनिया के उन देशों में शामिल है, जिनमें आकर्षण व दिलचस्पी का हर रंग देखने को मिल जाता है। यहां बोर्नियो में ओरंगुटान को उनके प्राकृतिक स्थलों में देखने के बाद आपको वन्यजीव संरक्षण के वास्तविक महत्व का एहसास होगा। फ्लोर्स में सक्रिय ज्वालामुखी, परंपरागत गांव और अविश्वसनीय नीले सागर एक विशिष्ट सांस्कृतिक और प्राकृतिक यात्रा का अनुभव कराते हैं। पश्चिम में लोंबोक में आपको मिलेंगे रिंजानी जैसे ज्वालामुखी, शासक संस्कृति, सुंदर झरने और शांत समुद्री तट, जहां बाली की तरह पर्यटकों की भीड़ नहीं होगी और पास में ही गिल द्वीप (विशेषकर गिल एयर और गिल मेनो) में साफ-स्वच्छ जल, सी टर्टल और आरामदायक वातावरण का जन्नत है, जो दक्षिणपूर्व एशिया में अब लगभग लुप्त हो चुका है। इंडोनेशिया में आप विशेष रूप से तनजुंग पुटिंग, केलिमुतु, कोमोडो, रिंजानी, तिउ केलेप, सेंदांग गिले, गिल एयर और गिल मेनो को जरूर देखें। लोंबोक और गिल जाने के लिए सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर है, जबकि बोर्नियो और फ्लोर्स के लिए जून से सितंबर। आपको इंडोनेशिया इसलिए भी जाना चाहिए क्योंकि यहां आपको जीवित संस्कृति, ज्वालामुखी, स्वप्निल समुद्री तटों और संसार में कुछ सबसे विशेष अनुभवों का संगम देखने को मिलेगा।

दक्षिण अफ्रीका दिखेगा वाइल्डलाइफ का बेहतरीन नजाराः दक्षिण अफ्रीका में विश्व प्रसिद्ध क्रुगर नेशनल पार्क तो देखने के लिए है ही। इसके अलावा भी बहुत कुछ देखने के लिए वहां है। एक अलग मार्ग केपटाउन में आरंभ होता है और फिर स्टेल्लनबोश व फ्रांसचोक के अंगूरों के खेतों से होता हुआ समारा और ग्रेट कारु तक जाता है। फिर वहां से आप किंबर्ले के लिए फ्लाइट ले सकते हैं और कालाहारी जा सकते हैं। वहां शानदार सफारी का आनंद भी आप उठा सकते हैं। 'वर्किंग विद वाइल्डलाइफ' जैसे प्रोजेक्ट इस क्षेत्र में संचालित हैं, जो विभिन्न समुदायों और जीव प्रजातियों के संरक्षण में मदद करते हैं। दक्षिण अफ्रीका में पर्यटन के लिए सबसे अच्छा समय मई से सितंबर तक है और विशेष रूप से आपको समारा, कारु नेशनल पार्क, केप वाइनयार्ड्स और कालाहारी देखने चाहिए।

फिजी आकर्षक सांस्कृतिक विविधता का देशः अपनी मेहमाननवाजी, शुद्ध प्राकृतिक वातावरण और सांस्कृतिक विविधता के लिए मशहूर फिजी की यात्रा आपके लिए निश्चित तौर पर यादगार अनुभवों से भरी होगी। यहां के अंदरूनी गांवों में खासतौर से मिलने वाले कावा (एक विशेष प्रकार का पेय) का स्वाद और अनुभव फिजी आने वाले पर्यटक जरूर लेते हैं। कावा एक अनोखा पेय होने के साथ-साथ फिजी के समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक-सा बन गया है। फिजी की यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर तक माना जाता है। फिजी यात्रा के दौरान आपको यसावा, विती लेवु व मोनुरिकी अवश्य देखना चाहिए। फिजी आपको इसलिए भी जाना चाहिए क्योंकि इसके आकर्षक सी बीच, आपको यहां की अति सुंदर संस्कृति से जोड़ते हैं।

न्यूयॉर्क सिटी अमेजिंग सेंट्रल पार्क के लिए प्रसिद्धः अमेरिका के न्यूयॉर्क सिटी में स्थित सेंट्रल पार्क न सिर्फ दुनिया भर के सिटी पार्कों के लिए अच्छी मिसाल है बल्कि मेनहट्टन के बीच में स्थित यह स्थान अपने आपमें सेलेब्रिटी स्टेटस रखता है। पार्क का दक्षिणी हिस्सा न्यूयॉर्क सिटी और उसके रईस सबअर्ब की याद दिलाता है। उत्तरी हिस्सा अपने पहाड़ों, पेड़ों व बेंचों के कारण इस शहर के अतीत की याद दिलाता है। इस मास्टरपीस का आनंद लेने के लिए खुले मैदान में बैठें, झील के पास ब्रेक लें, स्ट्रॉबेरी खेतों के पास रुकें जो जॉन लेनन की याद में हैं या जाड़े में आइस स्केटिंग करें। जिन पर्यटकों को कला, प्रकृति और विज्ञान में दिलचस्पी है, वे मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट और अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री में जा सकते हैं, जो पार्क के बीच के हिस्से में ही स्थित हैं।

फिनिक्स पार्क शोर-शराबे से दूर नेचर के करीबः आयरलैंड के डबलिन सिटी सेंटर के निकट ही फिनिक्स पार्क स्थित है। लिफ्फेय नदी के साथ वाली सड़क पर डबलिन से पब्लिक ट्रांसपोर्ट द्वारा यहां तक पहुंचने में 20 मिनट लगते हैं। फिनिक्स पार्क आपको शोर-शराबे से बहुत दूर ले जाता है। इसकी झील के पास आपको सैकड़ों जंगली हिरण घूमते हुए मिल जाएंगे, जिनसे आपकी नजर नहीं हट सकेगी। यहां पापल क्रॉस, वेलिंगटन स्मारक और सेंट थॉमस हिल के ऊपर तारे के आकार का मैगजीन फोर्ट जैसे स्मारक भी दर्शनीय हैं। इनके अलावा एक्लेक्टिक फार्मलीग हाउस भी देखने योग्य है। *

नए साल में करिए खुद को ऐसे अपडेट

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

नए साल का आगाज हो चुका है। आप जरूर सोच रहे होंगे कि इस नए साल में खुद को अपडेट करने के लिए क्या कुछ ऐसा करें, जिससे आपकी ओवरऑल पर्सनालिटी में निखार आए, आपके करियर को भी एक नया मुकाम हासिल हो। इसके लिए कुछ उपयोगी सलाह।

आपने देखा होगा कि समय-समय पर शोरूम, पत्र-पत्रिकाएं, बड़े ब्रांड्स आदि अपने कलेवर बदलते और दुरुस्त करते रहते हैं, खुद को रिन्यू करते रहते हैं। वास्तव में रीब्रांडिंग, रीन्यूअल और रेनोवेशन एक सतत प्रक्रिया है। एक व्यक्ति के रूप में भी खुद को अपडेट करते रहना चाहिए। इसकी शुरुआत अभी शुरू हुए नए साल से भी की जा सकती है।

नया माइंडसेट : हमारा दिमाग मांसपेशी की तरह होता है। इसे जितनी चुनौती, मशक्कत और वर्जिश देंगे, यह उतना ही मजबूत होगा। इसलिए इसे नयापन या स्ट्रेंथ देने के लिए ऐसी नई स्किल्स सीखें, जिससे दिमाग की कसरत होती हो। जैसे कोई नई भाषा सीखें, पब्लिक स्पीकिंग की प्रैक्टिस करें, कोडिंग या कोई नया आर्ट सीखें। रोज सुबह एक नोटबुक में लिखें कि बीते कल आपने क्या नया महसूस किया, देखा या सीखा? दिन में जब फुर्सत मिले, 5-10 मिनट का कोई ऐसा पॉडकास्ट देखें, जो किसी नए और दिलचस्प विषय पर आधारित हो।

नई बॉडी-स्ट्रेंथः आपका शरीर सतत क्रियाशील रहता है। जाहिर है, इससे ऊर्जा का क्षय होता है और शरीर में थकान व दुर्बलता भी आती है। इसलिए इसे समुचित ऊर्जा और पोषण रूपी ईंधन की जरूरत होती है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी डाइट में बहुरंगी सब्जियां और फल शामिल करें, पौष्टिक अनाज, दूध, दही, दालें आदि अवश्य लें। एक्सरसाइज, वॉक, जॉगिंग, साइक्लिंग जैसी एक्टिविटीज को अपने डेली रूटीन का हिस्सा बनाएं।

नई स्किलः ज्यों-ज्यों समय बीतता है आपका शरीर ही नहीं, आपका टैलेंट, नॉलेज और स्किल भी बहुत हद तक पुराना और आउटडेटेड होने लगता है। इसलिए जरूरी है कि आप इन्हें भी समय के साथ अपडेट करते रहें। आपको इस साल कुछ ऐसी स्किल सीखनी चाहिए, जो आपकी दिलचस्पी की हों और जरूरत की भी। आने वाले समय में ग्राफिक डिजाइनिंग, स्टॉक ट्रेडिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स, कॉपीराइटिंग जैसे स्किल्स आपके लिए बहुत उपयोगी हो सकते हैं।

नए संबंधः बदलते परिदृश्य, बदलते ट्रेंड और बदलते परिवेश के हिसाब से आपको अपने आस-पास के लोगों का दायरा भी अपडेट करना पड़ता है। आज की दुनिया में सोशल कनेक्शन बहुत जरूरी है। बड़ा सोशल नेटवर्क आपको फायदा पहुंचाएगा। आपको अपनी दिलचस्पी और जरूरत के मुताबिक नए लोगों से मेल बढ़ाना चाहिए, जो आपको मोटिवेट कर सके, व्यापारिक या प्रोफेशनल लाभ पहुंचा सकें और जिनसे आप कुछ नया सीख सकें।

सेल्फ अवेयरनेसः पर्सनालिटी डेवलपमेंट के प्रमुख घटकों में से एक है सेल्फ अवेयरनेस। सेल्फ अवेयरनेस के माध्यम से आप अपने मूल्यों, कमियों और खूबियों के बारे में अधिक जान सकते हैं, जिससे आपको अधिक सार्थक लक्ष्य बनाने और बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलेगी। यह गुण आपको उन विशेषताओं को स्वीकार करने और पूरी तरह से समझने में सक्षम बनाता है, जो आपको विशिष्ट बनाती हैं। आत्म-जागरूकता (सेल्फ अवेयरनेस) दूसरों के साथ सरस और सार्थक रिश्ते बनाने की आपकी क्षमता को भी बेहतर बनाती है।

माइंडफुलनेस का अभ्यासः ध्यान देना यानी माइंडफुलनेस सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की महत्वपूर्ण नीति है। ध्यान देने का अर्थ है, अपने विचारों और भावनाओं के प्रति जागरूकता बनाए रखना और वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना। भावनात्मक नियंत्रण में सुधार, तनाव का स्तर कम होना और फोकस की अवधि बढ़ना जैसे कई फायदे आपको माइंडफुलनेस के अभ्यास से मिलते हैं।

उपयोगी आदतेंः हर व्यक्ति की पहचान उसकी अपनी आदतों की वजह से भी बनती है। आपको कुछ ऐसी आदतें सीखनी चाहिए जो आपकी हेल्थ, पर्सनालिटी और आर्थिक रूप से भी आपको इंप्रूव करती हों। जैसे- रोजाना पर्याप्त पानी पीना, रोज किसी किताब के कम से कम पांच पेज पढ़ना, रोज सुबह जाकर 5 से 5:30 के बीच जागकर ब्रीदिंग एक्सरसाइज, वॉक आदि करना। बाजारू खाना त्याग कर घर का ताजा भोजन करना। बिजनेस न्यूज चैनल देखना और बिजनेस पत्रिकाएं पढ़कर आर्थिक मोर्चे पर खुद को नियमित अपडेट करना। आर्थिक खबरों, नई सरकारी नीतियों से रूबरू रहना। *

विशेषः विश्व ब्रेल दिवस 4 जनवरी

जानकारी
अंजू जैन

दृष्टिबाधित लोगों के जीवन में लुई ब्रेल ने नई आशा का संचार ब्रेल लिपि के जरिए किया था। क्या है ब्रेल लिपि, इसका महत्व और उद्देश्य क्या है? आज 'विश्व ब्रेल दिवस' के अवसर पर हम आपको बता रहे हैं विस्तार से।

दृष्टिबाधितों के जीवन में ब्रेल लिपि से फैला उजाला

आपने क्या कभी सोचा है कि अगर हमारी आंखों के सामने अंधेरा हो, तो हम किताबें या अपनी पसंदीदा कहानियां कैसे पढ़ेंगे? हम रंगों को कैसे पहचानेंगे या गणित के सवाल कैसे हल करेंगे? दुनिया में लाखों ऐसे लोग हैं, जो देख नहीं सकते, लेकिन वे हमारी-आपकी तरह ही पढ़ते हैं, लिखते हैं और कंप्यूटर चलाते हैं। यह सब मुमकिन होता है 'ब्रेल लिपि' की सुविधा से।

लुई ब्रेल

क्यों मनाते हैं विश्व ब्रेल दिवसः वर्ष 2019 से हर साल 4 जनवरी को विश्व ब्रेल दिवस मनाया जाता है। यह दिवस दृष्टिबाधित लोगों के लिए शिक्षा, संचार और सामाजिक समावेश के लिए ब्रेल लिपि (स्पर्शनीय लेखन प्रणाली) के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। इसी दिन ब्रेल लिपि के आविष्कारक लुई ब्रेल की जयंती होती है। लुई का जन्म 4 जनवरी 1809 को फ्रांस के एक छोटे से गांव में हुआ था। जब वे मात्र 3 साल के थे, तो अपने पिता की कार्यशाला में औजारों से खेलते समय उनकी आंखों में चोट लग गई और धीरे-धीरे उनकी दोनों आंखों की रोशनी चली गई। लुई पढ़ना चाहते थे, लेकिन उस समय नेत्रहीनों के लिए पढ़ाई बहुत मुश्किल थी। उन्होंने हार नहीं मानी और मात्र 15 साल की उम्र में एक ऐसी भाषा तैयार की, जिसे छूकर पढ़ा जा सकता था। उन्हीं के सम्मान में संयुक्त राष्ट्र ने 2019 से हर साल 4 जनवरी को आधिकारिक तौर पर 'विश्व ब्रेल दिवस' मनाने की शुरुआत की।

कुछ इस तरह मनाते हैं विश्व ब्रेल दिवसः इस अवसर पर स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जहां लोगों को ब्रेल लिपि के बारे में बताया जाता है। ब्रेल पढ़ने और लिखने की प्रतियोगिताएं होती हैं। दृष्टिबाधित लोगों और उनके परिवारों के साथ बातचीत की जाती है, ताकि उनकी समस्याओं को समझा जा सके।

क्या है ब्रेल लिपिः ब्रेल कोई भाषा नहीं, बल्कि एक 'कोड' या 'लिपि' है। इसे कागज पर उभरे हुए बिंदुओं के जरिए पढ़ा जाता है। इसमें कुल 6 बिंदु होते हैं। इन 6 बिंदुओं को अलग-अलग क्रम में सजाकर अक्षर, संख्याएं और संगीत के संकेत बनाए जाते हैं। नेत्रहीन बच्चे अपनी अंगुलियों के पोरों से इन उभरे हुए बिंदुओं को छूकर महसूस करते हैं और तेजी से पढ़ लेते हैं।

ब्रेल लिपि, दृष्टिहीनों को पढ़ने का मौका तो देती ही है, इससे उनके जीवन और उनके प्रति लोगों के नजरिए में भी व्यापक बदलाव देखने को मिलते हैं। वास्तव में संयुक्त राष्ट्र ने इस दिन यानी 'विश्व ब्रेल लिपि दिवस' की शुरुआत इसलिए की, ताकि यह याद दिलाया जा सके कि हर किसी को, चाहे वह देख सकता हो या नहीं, शिक्षा, सूचना और संचार का समान अधिकार है।

ज्ञान, स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरताः ब्रेल लिपि दृष्टिबाधित लोगों के लिए ज्ञान का सबसे महत्वपूर्ण दरवाजा है। इसके बिना उनके लिए किताबें पढ़ना, स्कूल जाना या कंप्यूटर इस्तेमाल करना बहुत मुश्किल होता। जबकि इसके माध्यम से वे पढ़-लिखकर शिक्षक, तकनीक विशेषज्ञ, कलाकार आदि जो चाहे बन सकते हैं और समाज में कंधे से कंधा मिलाकर चल सकते हैं। ऐसे अनेक दृष्टिबाधित सफल लोगों के उदाहरण हमें देखने-सुनने को मिलते रहते हैं।

आसान हुआ दैनिक जीवनः बैंक नोटों पर उभरे हुए प्रतीकों के रूप में ब्रेल लिपि का इस्तेमाल किया जाता है। दवाइयों के लेबल पर और सार्वजनिक स्थानों पर दिशा बताने वाले संकेतों पर भी ब्रेल लिपि उभरी होती है। आजकल रेलवे टिकट पर भी कई जगह ब्रेल लिपि दी जाती है। ब्रेल लिपि के इस तरह के इस्तेमाल से दृष्टिबाधित लोगों का जीवन बहुत हद तक आसान हुआ है। दृष्टिबाधित लोगों के लिए कुछ और भी उपकरण उपलब्ध हैं, जिनसे उनको पढ़ने में सुविधा होती है।

रिफ्रेशेबल ब्रेल डिस्प्लेः ये छोटे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस होते हैं, जिनमें पिनों की पंक्तियां होती हैं, जो ऊपर-नीचे होकर ब्रेल के बिंदु बनाती हैं। जब आप कंप्यूटर, फोन या टैबलेट से कनेक्ट करते हैं, तो यह डिजिटल टेक्स्ट को तुरंत ब्रेल में दिखाता है, और आप एक बटन दबाकर अगली लाइन पर जा सकते हैं।

ब्रेल ई-रीडरः ये विशेष उपकरण होते हैं जो सीधे डिजिटल ब्रेल किताबें (ऑनलाइन लाइब्रेरी से डाउनलोड की गई) पढ़ सकते हैं। इनमें नोट्स लेने, कैलकुलेटर और फाइल मैनेजर जैसे इन बिल्ट फीचर्स भी हो सकते हैं, जो इन्हें पोर्टेबल बनाते हैं।

ब्रेल नोट टेकरः ये छोटे पोर्टेबल डिवाइस होते हैं जिनमें ब्रेल की-बोर्ड और डिस्प्ले होता है। ये नोट्स लेने, कैलेंडर और ईमेल जैसी सुविधाओं के साथ आते हैं और वाई-फाई के जरिए क्लाउड से जुड़ सकते हैं। *

बहुत सुविधाजनक है डिजिटल ब्रेल

डिजिटल ब्रेल, दृष्टिबाधित लोगों के लिए ब्रेल लिपि को इलेक्ट्रॉनिक रूप में पढ़ने और लिखने का एक आधुनिक तरीका है। यह रिफ्रेशेबल ब्रेल डिस्प्ले और ब्रेल ई-रीडर जैसे उपकरणों के माध्यम से संभव होता है, जो डिजिटल टेक्स्ट (जैसे कंप्यूटर, स्मार्टफोन, टैबलेट से) को पिन की मदद से उभरे हुए ब्रेल अक्षरों में बदलते हैं। इस तरह वे ऑनलाइन जानकारी, किताबें और दस्तावेज आसानी से एक्सेस कर पाते हैं और इससे उन्हें शिक्षा और अपने काम में बहुत मदद मिलती है।

सिने ट्रेंड-2026
अशोक जोशी

हालांकि बीता साल बॉलीवुड के लिए बहुत अच्छा नहीं रहा। लेकिन इस साल कई ऐसी फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जिनसे बड़ी उम्मीदें हैं। यह देखना रोचक होगा कि इस साल कौन-कौन सी फिल्में दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतरेंगी।

बॉलीवुड के लिए बहुत उम्मीदों भरा है यह साल

बॉलीवुड में हर साल बड़ी संख्या में फिल्में रिलीज होती हैं। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से देखें तो रिलीज फिल्मों में से कुछ ही फिल्मों को बड़ी सफलता मिल पाती है। अब पिछले साल प्रदर्शित फिल्मों पर नजर दौड़ाएं तो 'सैयारा', 'छावा' और 'धुरंधर' जैसी कुछ फिल्में ही बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाने में कामयाब हो सकीं। पिछले साल रिलीज्ड और सक्सेसफुल फिल्मों के बीच बड़ा अंतर होने के बावजूद निर्माताओं को इस साल अपनी फिल्मों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

रिलीज होंगी बिग स्टार्स की फिल्मेंः नए साल में बिग स्टार्स की कुछ धमाकेदार फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। सनी देओल, धर्मेंद्र दोनों अलग-अलग फिल्मों में नजर आएंगे। साथ ही प्रभास के साथ संजय दत्त भी नजर आने वाले हैं। वहीं दूसरी तरफ एक और जोड़ी है जिसकी फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है और वो हैं थलापति विजय और बॉबी देओल।

साल की शुरुआत 'इक्कीस' सेः 'इक्कीस' फिल्म में धर्मेंद्र आखिरी बार नजर आए हैं। उनका बीते नवंबर निधन हो गया था। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा लीड रोल में हैं। साल के पहले ही दिन रिलीज हो चुकी इस फिल्म के प्रचार में धर्मेंद्र को हाईलाइट किया गया है। 'इक्कीस' में जयदीप अहलावत, सिकंदर खेर, विवान शाह भी नजर आ रहे हैं। फिल्म को डायरेक्ट किया है श्रीराम राघवन ने।

इन साउथ-सुपर स्टार्स की फिल्मों में होगा क्लैशः इसी सप्ताह शुक्रवार यानी 9 जनवरी को साउथ के दो बड़े सुपरस्टार्स की फिल्में रिलीज हो रही हैं। इस दिन जहां एक ओर 'बाहुबली' फेम प्रभास की 'राजा साब' रिलीज होने वाली है, जिसमें उनके साथ संजय दत्त, मालविका मोहनन, जरीना बहाव, बोमन ईरानी, निधि अग्रवाल, कियारा आडवाणी जैसे कलाकार नजर आने वाले हैं। दूसरी तरफ 9 जनवरी को ही साउथ के एक और सुपरस्टार थलापति विजय की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'जन नायकन' रिलीज होगी। यह विजय के फिल्मी करियर की आखिरी फिल्म होगी। इसके बाद वह अपना पूरा समय राजनीति में देंगे। इस फिल्म में विजय के साथ बॉबी देओल और पूजा हेगड़े भी दिखेंगे।

आएंगे कई सुपरहिट फिल्मों के सीक्वलः किसी भी सुपरहिट फिल्म के सीक्वल को प्रायः सफलता की गारंटी माना जाता है। इस साल भी कई सफल फिल्मों के सीक्वल सिने प्रेमियों को देखने को मिलेंगे। जेपी दत्ता की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बॉर्डर' का सीक्वल 'बॉर्डर 2' इसी महीने 23 जनवरी को रिलीज हो रहा है। फिल्म की मुख्य भूमिकाओं में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी नजर आने वाले हैं। बीते दिनों सनी देओल की 'गदर 2' ने खूब कमाई की थी। कुछ ऐसी ही उम्मीद 'बॉर्डर 2' से भी की जा रही है। यह देखना दिलचस्प होगा कि अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी 'बॉर्डर 2' की कहानी दर्शकों को थिएटर तक खींच पाती है या नहीं? आदित्य धर निर्देशित 'धुरंधर' का सीक्वल 'धुरंधर 2' 19 मार्च को बड़े पर्दे पर आएगी।

इसी साल सुपरहिट फिल्म 'एनिमल' का भी सीक्वल 'एनिमल पार्क' रिलीज होने जा रही है, जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। 'एनिमल' के पोस्ट-क्रेडिट सीन में दिखाई गई कहानी को आगे बढ़ाते हुए 'एनिमल पार्क' में और भी ज्यादा थ्रिल और इमोशन दिखाए जाने की उम्मीद है।

इन फिल्मों से भी हैं बड़ी उम्मीदेंः इस साल रिलीज होने वाली संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' से भी काफी उम्मीदें हैं। फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल लीड रोल में हैं। फिल्म 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

रणबीर कपूर, साई पल्लवी, सनी देओल और यश की मुख्य भूमिका वाली बिग बजट फिल्म 'रामायण' का भी इस साल दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहेगा। दो पार्ट में रिलीज होने वाली 'रामायण' का पहला पार्ट इसी साल दिवाली पर रिलीज होने की उम्मीद है। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, सनी देओल हनुमान जी और यश रावण की भूमिका में नजर आने वाले हैं।

आएंगी सलमान-शाहरुख की फिल्मेंः इस वर्ष लगभग तीन साल बाद शाहरुख खान अपनी अगली फिल्म 'किंग' के साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। सिद्धार्थ आनंद निर्देशित 'किंग' में शाहरुख अपनी बेटी सुहाना के साथ पहली बार दिखेंगे। इसके अलावा सलमान खान की 'बैटल ऑफ गलवान' 2020 में भारत और चीन के बीच हुए गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित फिल्म है। अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म को सलमान खान फिल्म्स बैनर तले प्रोड्यूस किया जा रहा है। फिल्म का टीजर रिलीज होने के बाद से दर्शकों में इस फिल्म को लेकर काफी उत्साह है। *